नई दिल्ली में बुधवार को राहुल गांधी की ईडी कार्यालय में पेशी के विरोध में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 183 दिनांक:16-06-2022 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

राष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त उम्मीदवार उतारने पर विपक्ष हुआ सहमत, अब नाम पर फैसला बाकी

मोदी सरकार की अग्निपथ योजना पर बिहार में बवाल

पटना (ईएमएस)। सेना की नई भर्ती योजना 'अग्निपथ' को लेकर बिहार में बुधवार को जमकर बवाल हुआ। इतना ही नहीं सेना के लिए होने वाली लिखित परीक्षा में हो रही देरी को लेकर भी युवाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की सुरक्षा मामलों की समिति (सीसीएस) की बैठक में 'अग्निपथ' को मंजूरी प्रदान की गई। इस लेकर बिहार में विरोध प्रदर्शन हो रहा है।

केंद्र सरकार के ऐलान के एक दिन बाद ही प्रदर्शन शुरू हो गए। बक्सर और दानापुर में प्रदर्शनकारियों ने रैलवे ट्रैक को मुजफ्फरपुर में सड़क को जाम किया। इसके अलावा कुछ जगहों से आगजनी की भी खबरें सामने आईं। जिसमें मुजफ्फरपुर का माड़ीपुर इलाका शामिल है। हालांकि पुलिस ने मामले को प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया लेकिन प्रदर्शनकारी मामले को लिए तैयार ही नहीं हैं, उन्होंने अग्निपथ भर्ती योजना को वापस लेने की मांग की।

केंद्र ने तीनों सेना (सेना, नौसेना और वायुसेना) में भर्ती के लिए अग्निपथ योजना बनाई है। इसके माध्यम से 4 साल के लिए तीनों सेना में युवाओं की भर्ती की जाएगी। इसकी प्रक्रिया 90 दिनों के भीतर शुरू होगी। इस योजना के तहत सेना में शामिल होने वाले जवानों का अग्निवीर कहा जाएगा। इतना ही नहीं सेना में 4 साल की अपनी सेवा देने के बाद जवानों को अलग-अलग सेवाओं में प्राथमिकता मिलेगी। जैसे मध्य प्रदेश और हरियाणा सरकार ने सरकारी नौकरी में वरीयता देने की बात कही है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ऐलान किया कि अग्निपथ योजना के तहत 4 साल की सेवा पूरी करने वालों को भर्ती प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाएगी। गृह मंत्री शाह के कार्यालय ने ट्वीट में कहा कि अग्निपथ योजना देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रधानमंत्री मोदी का एक दूरदर्शी एवं स्वागतयोग्य कदम है।

सरकारें भी 5 साल के लिए बनती है, फिर युवाओं को सिर्फ 4 साल का मौका क्यों?-वरुण गांधी

पीलीभीत (ईएमएस)। समय-समय पर अपनी ही पार्टी की सरकार को आईना दिखाने के लिए मशहूर हो चुके पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने केन्द्र सरकार द्वारा घोषित 'अग्निपथ योजना' की आलोचना की है। युवाओं की बेरोजगारी को लेकर हमेशा मुखर रहने वाले भाजपा सांसद वरुण गांधी ने मोदी सरकार सवाल करते हुए कहा कि सरकारें भी पांच साल के लिए चुनी जाती हैं तो युवाओं को देश सेवा करने के लिए सिर्फ चार साल मौका क्यों दिया जा रहा।

भाजपा सांसद वरुण गांधी ने दो ट्वीट कर अग्निपथ योजना को घेरे में खड़ा कर दिया है। पहले ट्वीट के जरिए सांसद वरुण गांधी ने केंद्र सरकार द्वारा लांन्च की गई। इस योजना पर युवाओं की राय मांगी तो युवाओं ने बागी अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया देना शुरू कर दी। इसी बीच सांसद वरुण गांधी ने दूसरा ट्वीट भी कर दिया जिसके जरिए सांसद वरुण गांधी ने सवालिया निशान उठाते हुए लिखा कि सरकार भी पांच सालों के लिए चुनी जाती है फिर युवाओं को सिर्फ चार साल देश की सेवा करने का मौका क्यों? इस ट्वीट के साथ सांसद वरुण गांधी ने संदीप फौजी नाम से संचालित एक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट किया गया। वीडियो भी ताजा किया है, जिसमें कुछ लोग सरकार द्वारा टीओडी नियम लागू करने पर इसे देश की सुरक्षा व देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बता रहे हैं।

विपक्षी दलों की बैठक में फैसला, 16 दलों का एक ही कैंडिडेट होगा

गोपालकृष्ण गांधी, फारुख अब्दुल्ला और यशवंत सिन्हा के नाम पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति उम्मीदवार का नाम फाइनल करने के लिए दिल्ली में टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने विपक्षी नेताओं को बैठक के लिए बुलाया। बैठक के बाद नेताओं ने बताया कि सभी 16 दलों का एक ही कैंडिडेट होगा, जो मोदी सरकार को रोकेगा। विपक्षी नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक में टीआरएस, आम आदमी पार्टी और बीजद ने जरूर किनारा किया लेकिन, बाकी विपक्षी नेताओं ने बैठक में हिस्सा लेकर राष्ट्रपति उम्मीदवारी को लेकर अपनी राय रखी। इस बीच यह जानकारी सामने आई कि विपक्षी नेताओं की बैठक में गोपाल कृष्ण गांधी का नाम सबसे आगे चल रहा है। गोपाल कृष्ण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पोते हैं। वे पश्चिम बंगाल के गवर्नर और आईएएस अधिकारी रह चुके हैं। गोपाल कृष्ण गांधी के अलावा विपक्षी नेताओं की बैठक में राष्ट्रपति उम्मीदवारी के लिए शरद पवार, फारूख अब्दुल्ला और यशवंत सिन्हा का नाम भी सामने आया था।

ममता ने कहा कि सभी विपक्षी दलों ने तय किया है कि एक ही कैंडिडेट होगा ताकि मोदी सरकार के खिलाफ अपने कैंडिडेट को मजबूती से खड़ा किया जाए। साथ ही केंद्र की दमनकारी नीतियों पर अंकुश लगा सके। बुधवार को विपक्षी दलों की बैठक शरद पवार के नेतृत्व में हुई थी। इससे पहले बुधवार को यहां कंस्टीट्यूशन क्लब में दोपहर बाद शुरू हुई बैठक में आने वाले विपक्षी नेताओं का खुद ममता बनर्जी ने हॉल के प्रवेश द्वार पर स्वागत किया। बैठक में ममता बनर्जी के अलावा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शरद पवार और प्रफुल्ल पटेल, जनता दल एस के एच डी देवेगौड़ा और एच डी कुमारस्वामी, कांग्रेस के जयराम रमेश और रणदीप सुरजेवाला, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव, जम्मू कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की महबूबा मुफ्ती, राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के जयंत चौधरी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के विनय विश्वम, राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा और तृणमूल के सुखेन्दू शेखर राय आदि नेता ने हिस्सा लिया। द्रविड़ मुनेत्र कषगम, शिवसेना , नेशनल कांफ्रेन्स, आईयूएमएल ,वाम दलों और जेएमएम के नेता भी बैठक में पहुंचे। सूत्रों के अनुसार एआईएमआईएम, तेलंगाना राष्ट्र समिति और आम आदमी पार्टी ने इस बैठक में नहीं जाने का निर्णय लिया है।

पवार के नाम पर लगभग सभी विपक्षी नेताओं की सहमति थी। पवार के नाम पर आप नेता संजय सिंह की भी सहमति थी। लेकिन शरद पवार ने उम्मीदवारी से अपना नाम यह कहकर वापस खींच लिया कि वहां अभी सक्रिय राजनीति का हिस्सा बने रहना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने बताया कि पवार के नाम पर सभी दलों की सहमति थी लेकिन उन्होंने उम्मीदवारी से इनकार कर दिया। शरद पवार के बाद नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूख अब्दुल्ला का नाम भी सामने आया। ममता बनर्जी की तरफ से यशवंत सिन्हा का नाम आगे बढ़ाया गया, लेकिन इस पर भी सहमति नहीं बनी। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी की तरफ से चुप्पी साधी रही। सूत्र बताते हैं कि वाम दलों की ओर से महात्मा गांधी के पोते गोपाल कृष्ण गांधी का नाम आगे बढ़ाया गया है। इस पर लगभग सभी विपक्षी नेताओं ने अपनी सहमति दी है। सिर्फ कांग्रेस प्रतिनिधियों की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। हालांकि अपना नाम राष्ट्रपति उम्मीदवारी के लिए बढ़ाने पर गोपाल कृष्ण गांधी ने सोचने के लिए समय मांगा है।

इस बारे में गोपालकृष्ण गांधी ने कहा, 'मुझसे पूछा गया है कि अगर मेरे नाम पर आम सहमति बनती है, तब क्या मैं ऐसे उम्मीदवार होने पर विचार करूंगा। मैंने कहा है कि मुझे इस महत्वपूर्ण सुझाव के बारे में सोचने के लिए कुछ समय चाहिए।ठ उन्होंने कहा, ठसभी संबंधितों के बीच विचार-विमर्श चल रहा है। इस समय अधिक कुछ कहना जल्दबाजी होगी।ठ

अखिलेश का तंज, हम राजनीति करने वाले लोग ईडी की परीक्षा पास करनी होती

लखनऊ (ईएमएस)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने बस्ती में राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ के बाद बीजेपी पर तंज कसा। अखिलेश ने कहा कि हम राजनीति करने वाले लोग हैं। इन को परीक्षा देनी पड़ती है। जैसे दसवीं की बारहवीं की परीक्षा होती है, उसी तरह ईडी भी एक है। अखिलेश ने कहा है कि ईडी का मतलब अब ऐक्जामिनेटकी डेमोक्रेसी' बन गया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि ईडी का मतलब अब ऐक्जामिनेटकी डेमोक्रेसी बन गया है। राजनीति में विपक्ष को ये परीक्षा पास करनी होती है। जब सरकार स्वयं फेल होती है, तब वहां इस परीक्षा की घोषणा करती है। जिनकी तैयारी अच्छी होती है वहां न तो लिखा-पढ़ी की परीक्षा से डरते हैं, न मौखिक व्रष्ठ और कभी डरना भी नहीं चाहिए।

अखिलेश ने कहा कि डेमोक्रेसी में सोचिए परीक्षा हो रही है और इस तरह सरकार हमेशा करती आई हैं जो सरकार ताकतवर है। आज उत्तर प्रदेश में देख लो लेखपाल तहसीलदार एसडीएम मिल जाए वह आपके घर को गिरा देंगे आज किसी की भी जमीन किसी के नाम पर चढ़ा देंगे। आपके 1 एसओ से संबंध अच्छे हो, मिठाई ठीक दे दे तो किसी पर भी मुकदमा करा सकते हैं यह ईडी की परंपरा से लोगों को परेशान किया जा रहा है। ये संस्कृति बंद होना चाहिए। अगर कभी कांग्रेस ने किया है, तब बीजेपी को उस का उदाहरण नहीं बनना चाहिए। वहीं नुपूर शर्मा मामले पर सपा नेता ने कहा कि बीजेपी अगर कहती है कि हम संविधान और कानून के साथ हैं तो कानून के तहत अपने कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं। बीजेपी को संकल्प लेना चाहिए कि ऐसे प्रवक्ता जो किसी को अपमानित करते हैं, किसी के धर्म के खिलाफ बोलते हैं, उन्हें आजीवन पार्टी से बाहर निकालने का संकल्प लेना चाहिए।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर 78.17 पर बंद

मुंबई (ईएमएस)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपये में भारी गिरावट दर्ज की गयी है और ये सर्वकालिक रिकार्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 78.17 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

राजनाथ सिंह ने राष्ट्रपति चुनाव के मुद्दे पर कांग्रेस नेता, तृणमूल और सपा से संपर्क साधा

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय रक्षा मंत्री और वरिष्ठ बीजेपी नेता राजनाथ सिंह ने बुधवार को राष्ट्रपति चुनाव के मुद्दे पर कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खडगे, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव से संपर्क साधा। सूत्रों के अनुसार, यह प्रारंभिक बातचीत है जिसमें चुनाव में उम्मीदवार को लेकर मन टटोला गया। किसी उम्मीदवार के नाम पर चर्चा नहीं हुई लेकिन सरकार प्रत्याशी को लेकर आम राय बनाने की कोशिश करेगी। प्रारंभिक बातचीत के बाद एनडीए की बैठक होगी जिसमें उम्मीदवार के नाम पर चर्चा होगी, उसके बाद बीजेपी संसदीय बोर्ड की बैठक भी होगी। पीएम नरेंद्र मोदी के जर्मनी जाने से पहले एनडीए के उम्मीदवार के नाम का ऐलान होगा।

जानकारी के अनुसार, राजनाथ सिंह ने एनडीए के घटक दल जेडीयू नेता नीतीश कुमार से भी बात कीइस बीच, राष्ट्रपति चुनाव में नामांकन के पहले दिन आज 11 नामांकन पत्र दायर किए गए, इनमें से एक नामांकन पत्र ख़ारिज कर दिया गया गौरतलब है कि राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव 18 जुलाई को होंगे और परिणाम 21 जुलाई को घोषित किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 19 जून है।

विपक्ष के उम्मीदवार पर रायशुमारी के लिए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने भी आज कई विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों के साथ की। बैठक में कांग्रेस, वामदल, शिवसेना सहित कई पार्टियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उधर, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार के नाम को लेकर पशुपति पारस, मेघालय के मुख्यमंत्री कोरनाड संगमा, नेशनल कॉन्फ्रेंस के फ़ारुख़ अब्दुल्ला, नागालैंड के मुख्यमंत्री और निर्दलीय सांसद नवनीत कौर राणा से विचार-विमर्श किया है।

जल्द बाजार में आएगा 'सर्वाइकल कैंसर' रोधी टीका

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के केंद्रीय औषधि प्राधिकरण के विशेषज्ञों की एक टीम ने सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया को 'सर्वाइकल कैंसर' रोधी भारत के स्वदेश विकसित प्रथम 'सर्वाइकल कैंसर' रोधी टीके को मंजूरी प्रदान करने की सिफारिश की है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सीरम इंस्टीटयूट में निदेशक (सरकार एवं नियामक मामले) प्रकाश कुमार सिंह ने भारत के औषधि महानियंत्रक (डीजीसीआई) के पास आठ जून को 'क्वैडरीवेलेंट ह्यूमन पैपीलोमावायरस टीका' (क्यूएचपीवी) की बाजार विपणन मंजूरी के लिए आवेदन दिया था। क्लीनिकल परीक्षण के तीन में से दो चरणों को पूरा करने के बाद ऐसा किया गया था।

क्लीनिकल परीक्षण, देश में इसकी शीघ्र उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से किया गया। समझा जाता है कि आवेदन में सिंह ने कहा है कि क्यूएचपीवी टीका सेरवावैक ने सभी लक्षित एचपीवी स्वरूपों और सभी खुराक तथा आयु समूह में आधार रेखा की तुलना में करीब 1,000 गुना अधिक एंटीबॉडी प्रतिक्रिया प्रदर्शित की। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, ''कोविड-19 पर विषय विशेषज्ञ समिति ने इसके उपयोग पर बुधवार को चर्चा की। उसने सीरम इंस्टीटयूट को सर्वाइकल कैंसर रोधी क्यूएचपीवी का विनिर्माण करने के लिए बाजार विपणन मंजूरी प्रदान करने की सिफारिश की।''

प्रयागराज में जारी सख्ती का राज, 59 उपद्रवियों की तस्वीरें जारी; 95 अरेस्ट

प्रयागराज (ईएमएस)। प्रयागराज में बीते शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा और पत्थरबाजी मामले में पुलिस का एक्शन जारी है। बुधवार को प्रयागराज हिंसा के 59 उपद्रवियों की सीसीटीवी फुटेज व वीडियो कैमरा से पहचान हुई। प्रयागराज एसएसपी ने इन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए इनकी फोटो सोशल मीडिया के मदद से सार्वजनिक कर दिया है। पुलिस ने अपील की है कि आरोपी आत्मसमर्पण कर दे नहीं, तब उनके खिलाफ कोर्ट से अनुमति लेकर कुर्की की कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं, इस मामले में पुलिस ने अब तक 95 लोगों को गिरफ्तार किया है।

जिन व्यक्तियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकेगी, उनके खिलाफ वारंट जारी करने की कार्रवाई की जाएगी और उन्हें 107, 116 और अन्य धाराओं के तहत पाबंद कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसतरह के व्यक्तियों के मकानों की कुर्की भी कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी शुक्रवार को फिर से ऐसी घटना ना हो, इसके लिये पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया जा रहा है और प्रमुख धर्म गुरुओं से लगातार संवाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि किसी बेकसूर को जेल ना जाना पड़े, इसके लिए एक कमेटी बनाई गई है जिसके सही गलत का आकलन करने के बाद ही गिरफ्तारी की जा रही है।

उपद्रव के दिन से मंगलवार तक चलाए गए अभियान में नगर निगम ने इस इलाके 31 ट्रक ईंट, पत्थर और बोल्डर अटाला में हटाया है। इसमें मंगलवार को छह ट्रक छह ट्रक ईंट-पत्थर मिला। इससे पहले 25 ट्रक ईट-पत्थर और बोल्डर हटाया जा चुका है। मंगलवार शाम नगर निगम की टीम अटाला क्षेत्र पहुंची। टीम ने जब गलियों से ईट पत्थर और बोल्डर बीना यह छह ट्रक निकलाष निगम के अधिकारियों का कहना है कि अब तक 31 ट्रक मलबा हटाया जा चुका है।

1984 के सिख विरोधी दंगे में एसआईटी की बड़ी कार्रवाई, 38 साल बाद घाटमपुर से गिरफ्तार किए गए 4 आरोपी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में 1984 के सिख विरोधी दंगों की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने एक बड़े घटनाक्रम में उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर जिले के घाटमपुर इलाके से 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसआईटी और कानपुर देहात पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में इन्हें गिरफ्तार किया गया है। आपको बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देश में सिखों के खिलाफ दंगे हुए थे। इसमें कई लोगों की जान चली गई थी। ये चारो लोग इन्हीं दंगों के आरोपी हैं।

एसआईटी का गठन तीन साल पहले 2019 में किया गया था। केंद्र सरकार ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के सात मामलों को फिर से खोलने का फैसला किया था। इनमें आरोपी या तो बरी हो गए या मुकदमा बंद कर दिया गया था। विशेष रूप से एसआईटी ने अपनी जांच में 1984 के सिख दंगों में 94 आरोपियों की पहचान की है, जिनमें से 74 आरोपी जीवित हैं। गिरफ्तार चार लोगों की पहचान सैफुल्ला खान, योगेंद्र सिंह उर्फ बबन बाबा, विजय नारायण सिंह उर्फ बचन सिंह और अब्दुल रहमान उर्फ लांबू के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए सभी की उम्र 60 वर्ष से अधिक है और कानपुर के घाटमपुर इलाके से हैं।

1984 के सिख विरोधी दंगे, जिसे 1984 के सिख नरसंहार के रूप में भी जाना जाता है, भारत में सिखों के खिलाफ उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुई हिंसा की श्रृंखला थी। 1984 के सिख विरोधी दंगे कई दिनों तक जारी रहे। नई दिल्ली में हजारों सिख मारे गए। इतना ही नहीं इन दंगों के कारण सिख समुदाय के 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए थे। राष्ट्रीय राजधानी में दंगों के कारण सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से कुछ सुल्तानपुरी, मंगोलपुरी और त्रिलोकपुरी थे।

देश में कैसे चल रहा प्रतिबंधित पबजी ! राष्ट्रीय बाल आयोग ने मांगा जवाब

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इसपर हैरानी जाहिर की है, कि केंद्र सरकार ने जब पबजी गेम पर रोक लगा दी है, तब अब भी बच्चे उसे कैसे खेल रहे हैं। आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से इसका जवाब मांगा है, कि भारत में प्रतिबंधित पबजी गेम बच्चों को अब भी कैसे हासिल हो रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय बाल आधिकार संरक्षण आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से देश में प्रतिबंधित कर दिए गए पबजी गेम तक अभी भी बच्चों की पहुंच होने के बारे में ये सवाल किया है। गौरतलब है कि हाल ही में लखनऊ में दुखद घटना सामने आई थी, जिसमें पबजी गेम खेलने से मना करने पर नाराज होकर 16 साल के एक लड़के ने अपनी मां की कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद ही राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग मामले को लेकर सतर्क हुआ है और आईटी मंत्रालय से इसके बारे में सफाई मांगी है।

आईटी मंत्रालय को भेज अपने पत्र में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इस बात को लेकर हैरानी जाहिर की है कि कैसे एक गेम जिस पर सरकार ने रोक लगाकर भारत में ब्लॉक कर दिया है, अभी भी नाबालिगों तक उसकी पहुंच कायम है। जबकि भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष को लिखे गए एक दूसरे पत्र में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कहा है कि ये सामने आया है कि एक ई-स्पोर्ट के रूप में पबजी को मान्यता हासिल है। इस एशियाई ओलंपिक परिषद से भी मान्यता है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पूछा है कि क्या इसी तरह के किसी और गेम को उनके संगठन से मान्यता हासिल है!

लॉकडाउन का भारत की जॉब मार्केट पर ज्यादा असर नहीं दिखाई दिया, पीएलएफएस के सर्वे में खुलासा

नई दिल्ली (ईएमएस)। लगता है कोरोना और उसके बाद लगे लॉकडाउन का भारत की जॉब मार्केट पर ज्यादा असर नहीं दिखाई दिया है। ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020-21 (जुलाई-जून) में बेरोजगारी दर गिरकर 4.2 प्रतिशत हो गई। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा 14 जून को जारी 2020-21 (जुलाई-जून) के लिए पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के अनुसार, श्रम बल भागीदारी दर (लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट) बढ़कर 41.6 फीसदी हो गई, जबकि भारत की बेरोजगारी दर कम हुई। 2019-20 (जुलाई-जून) में बेरोजगारी दर 4.8 प्रतिशत और लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट 40.1 प्रतिशत थी। खबर के मुताबिक, जुलाई 2020 से शुरू होने वाले 12 महीनों में बेरोजगारी दर में गिरावट और लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट में वृद्धि आश्चर्यजनक है, क्योंकि इस अवधि के पहले 3 महीनों में भारतीय अर्थव्यवस्था तकनीकी रूप से मंदी में प्रवेश कर चुकी थी। बाद के महीनों में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि में सुधार हुआ, मगर सर्वे के पीरियड के दौरान बेरोजगारी दर औसतन 4.2 प्रतिशत प्रति तिमाही बनी रही।

बता दें कि पीएलएफएस रोजगार संबंधी आंकड़ों का एकमात्र आधिकारिक स्त्रोत है। यह शहरी क्षेत्रों के लिए क्वार्टर के आधार पर अपडेट करता है तथा शहरी एंव ग्रामीण क्षेत्रों के लिए वार्षिक रिपोर्ट देता है। अपनी रिपोर्ट में, सांख्यिकी मंत्रालय ने कहा कि महामारी के कारण सर्वे के लिए फील्डवर्क 18 मार्च 2020 से निलंबित कर दिया गया था और जून 2020 में फिर से शुरू किया गया था। दूसरी लहर के कारण अप्रैल 2021 में काम फिर से निलंबित कर दिया गया था और जून 2021 के पहले सप्ताह में धीरे-धीरे फिर से शुरू किया गया।

कांग्रेस नेता शेख हुसैन ने कहा सोनिया-राहुल को कुछ हुआ तो जलेगा देश

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेशनल हेराल्ड केस में ईडी के समक्ष राहुल गांधी की लगातार पूछताछ को लेकर कांग्रेसी नेताओं में उबाल है। कांग्रेसी नेता पिछले दिनों से सड़क पर हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान नेताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हो रही है। इस बीच महाराष्ट्र के कांग्रेसी नेता शेख हुसैन ने पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। पुलिस ने कांग्रेस नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में महाराष्ट्र के कांग्रेस नेता शेख हुसैन के खिलाफ नागपुर के गिट्टीखदान पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई। उनके खिलाफ बीती रात धारा 294 और 504 आईपीसी के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। शेख हुसैन ने एक कार्यक्रम के दौरान अपने बयान में कहा था कि जो काम करना है, उसे छोड़कर मोदी सरकार बेवजह के काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को कुछ भी हुआ तो देश में आग लगा देंगे। नागपुर की कांग्रेस यूनिट के पूर्व अध्यक्ष शेख हुसैन ने कहा कि नरेंद्र मोदी की मौत जैसी होगी। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस के लोग हिंसक हो गए हैं और अब तो ये पीएम तक को मारने की धमकी दे रहे हैं। आखिर कैसे ये महात्मा गांधी के नाम पर प्रदर्शन की बात कर रहे हैं। महात्मा गांधी के साथ तो अहिंसा जुड़ा है और ये लोग हिंसा कर रहे हैं। अपने बयान पर शेख हुसैन ने कहा कि मुझे अपने बयान पर कोई अफसोस नहीं है। मैंने सिर्फ एक मुहावरे के तौर पर नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि इसे आप गलत तरीके से ले रहे हैं, लेकिन मैंने तो एक मुहावरा बोला था। मेरी मुहावरे के तौर पर कही गई बात को घुमा-फिराकर पेश किया जा रहा है।

कार्टून कोना

चीनी वैज्ञानिकों के दल को मिले धरती के बाहर जीवन के संकेत

बीजिंग (ईएमएस)। धरती के बाहर अंतरिक्ष में कहीं जीवन है या नहीं, इस लेकर वर्षों से वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं। अब चीन के महाशक्तिशाली स्काई आई टेलिस्कोप को धरती के बाहर जीवन के संकेत मिले हैं। स्काई आई दूरबीन को इसतरह के इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल मिले हैं जो इससे पहले पकड़े गए संकेतों से अलग हैं। अब चीनी वैज्ञानिकों का दल इसकी आगे की जांच कर रहा है। अगर सच में धरती के बाहर जीवन मिलता है, तब इंसानों के लिए शोध के नए द्वार खुल जाएंगे। धरती के बाहर जीवन के संकेत मिले हैं। चीनी वैज्ञानिकों के दल में बीजिंग की नॉर्मल यूनिवर्सिटी, चाइना अकादमी ऑफ साइंसेज और यूनिवर्सिटी ऑफ बार्कले के वैज्ञानिक शामिल हैं। हालांकि वैज्ञानिक ने कहा कि संदिग्ध संकेत किसी तरह का रेडियो इंटरफेरेंस है और अभी आगे के जांच की जरूरत है।

यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है कि चीन ने इस खबर को साइंस एंड टेक्नॉलजी डेली की वेबसाइट से क्यों हटाया। यह अखबार चीन के विज्ञान और तकनीक मंत्रालय का आधिकारिक अखबार है। वह भी तब जब चीन में यह खबर सोशल नेटवर्क बीबो पर पहले ही ट्रेंड करने लगी थी। इस खबर को अन्य मीडिया संगठनों ने भी उठा लिया था। बता दें कि चीन ने दुनिया के सबसे बड़े सिंगल-अपर्चर टेलिस्कोप को आधिकारिक रूप से विश्वभर के खगोलविदों के लिए खोल दिया है। चीन का दावा है कि यह दुनिया का सबसे संवेदनशील टेलिस्कोप है।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को मानसा लेकर पहुंची पंजाब पुलिस, सीजेएम कोर्ट में किया पेश

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब पुलिस गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को मानसा ले आई है। बिश्नोई को मूसेवाला हत्याकांड के मामले में बुधवार को सीजेएम अदालत में पेश किया गया। पंजाब पुलिस ने कोर्ट से सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ करने के लिए उसकी ट्रांजिट रिमांड मांगी थी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया है। पंजाब पुलिस को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का 7 दिन का रिमांड मिला है।

सूत्रों के अनुसार बिश्नोई को अब मोहाली लाया जा रहा है, जहां एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स उससे पूछताछ करेगी। इससे पहले दिल्ली की पटियाला हाउस अदालत ने मंगलवार को पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को पंजाब ले जाने के लिए ट्रांजिट रिमांड दे दिया था। सुनावाई के दौरान कोर्ट में बिश्नोई के वकीलों ने उसके एनकाउंटर की आशंका जताई थी। इस पर पंजाब पुलिस ने कहा कि वह पूरे दल बल के साथ आए हैं और पूरे रास्ते की वीडियोग्राफी करवाई जाएगी।

अदालत ने पंजाब पुलिस को आदेश दिया इस मामले में बिश्नोई को औपचारिक रूप से गिरफ्तार करने के बाद ही अदालत के समक्ष पेश किया जाए। अदालत ने पंजाब पुलिस को बुधवार को मानसा अदालत में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया है। पंजाब पुलिस ने कहा था कि मूसेवाला की हत्या एक अंतरराज्यीय गिरोह की प्रतिद्वंद्विता का परिणाम है।

इसमें लॉरेंस बिश्नोई गिरोह शामिल था। मूसेवाला की 29 मई को पंजाब के मनसा जिले में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। बिश्नोई, मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) और आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामलों में तिहाड़ जेल में बंद है। स्पेशल सेल ने रिमांड की अवधि खत्म होने के बाद मंगलवार को लॉरेंस को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया था।

पैगंबर विवाद के बीच इस्लामिक स्टेट ने दी भारत पर हमले की धमकी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पैगंबर मोहम्मद पर भाजपा नेताओं की विवादित टिप्पणी के बीच अब इस्लामिक स्टेट ने एक न्यूज बुलेटिन जारी किया है। इस बुलेटिन में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस (आईएसकेपी) की ओर से भारत पर हमले की धमकी दी गई है। इस मामले को लेकर आईएसकेपी ने अपने मुखपत्र अल अजैम फाउंडेशन के जरिए एक न्यूज बुलेटिन शुरू किया है। इस न्यूज बुलेटिन में भाजपा से सस्पेंड की गई नूपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद पर बयान को लेकर कई वीडियो को शामिल किया गया है। इसके अलावा, इन बयानों का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों के घर बुलडोजर से ढहाए जाने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य मामलों को लेकर भी कुछ विजुअल बुलेटिन में शामिल किए गए हैं।

एक स्वतंत्र न्यूज प्लेटफॉर्म द खोरासन डायरी के ट्विटर हैंडल से यह जानकारी सामने आई है। यह आईएसकेपी का पहला न्यूज बुलेटिन है, जिसमें भारत और ईशनिंदा के मामले पर फोकस रखा गया है। द खोरासान डायरी ने ट्वीट कर बताया, इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस ने अपने मुखपत्र अल अजैम फाउंडेशन के जरिये न्यूज बुलेटिन शुरू किया है। यह पहला न्यूज बुलेटिन भारत और ईशनिंदा पर केंद्रित है। इस तरह द खोरासान डायरी ने सिलसिलेवार ट्वीट कर बताया गया कि इस बुलेटिन में कई वीडियो शामिल किए गए हैं।

ट्वीट में कहा गया, वीडियो में भाजपा से सस्पेंड की गई नूपुर शर्मा और मुस्लिमों के जमींदोज घर दिखाए गए हैं। इसके साथ ही आईएसकेपी के आत्मघाती हमलावरों के पुराने बयान भी दिखाई गए हैं, जो हिंदू हैं। जो धमकी दे रहे हैं कि जहां भी संभव होगा, वे हमले करेंगे। खोरासान डायरी के मुताबिक, वीडियो में भारत के साथ कूटनीतिक स्तर पर संबंधों का विस्तार कर रहे तालिबान की भी आलोचना की गई है। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार में कार्यवाहक रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब के एक भारतीय चैनल को इंटरव्यू देने और कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी से मिलने पर भी निशाना साधा गया।

जन हितैषी

सेना में कॉन्ट्रेक्ट भर्ती

भारतीय सेनाओं में 4 साल के लिए सैनिकों की भर्ती वाली अग्निपथ स्कीम का ऐलान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेनाओं की विश्व की बेहतरीन सेना बनाने के लिए रक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने एक बड़ा फैसला लिया है। हम अग्निपथ स्कीम ला रहे हैं। इससे भारतीय युवाओं को अग्निवीर के तौर पर सेवा का मौका दिया जाएगा। इससे देश की सुरक्षा मजबूत होगी और युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा। देश का हर युवा जीवन में सेना की भर्ती का सपना देखता है। इस अग्निपथ योजना से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और युवाओं को अन्य क्षेत्रों में जाने के भी अच्छे अवसर मिलेंगे। यही नहीं सेनाओं को भी हाई स्किल रिसोर्स मिल सकेगा। अग्निवीरों के लिए एक अच्छा पे-पैकेज मिलेगा। इसके अलावा एग्जिट के वक्त अच्छी रकम दी जाएगी। इस स्कीम से सेनाओं के पास युवा शक्ति होगी। इससे फिटनेस का लेवल और बेहतर हो सकेगा। फिलहाल भारत की सेनाओं की औसत आयु 32 वर्ष है। इस स्कीम के लागू होने से यह 24 से 26 वर्ष ही रह जाएगी। यही नहीं सेनाओं को हाई स्किल रिसोर्स भी मिल सकेगा। अग्निवीरों के लिए एक अच्छा पे-पैकेज मिलेगा। इसके अलावा एग्जिट के वक्त अच्छी रकम दी जाएगी। यदि अग्निवीर सेवा के दौरान सर्वोच्च बलिदान देता है तो उसके परिवार को करोड़ रुपए की राशि दी जाएगी। इसके अलावा दिव्यांग होने की स्थिति में 48 लाख रुपए की राहत राशि प्रदान की जाएगी। अग्निपथ मॉडल के तहत सेना में रैंक से नीचे के अधिकारियों की भर्ती की जाएगी। 4 साल की सेवा में 6 महीने की ट्रेनिंग अवधि भी शामिल है। अग्निपथ के जरिए सेना का हिस्सा बने सैनिकों को प्रति माह 30 हजार से 40 हजार रुपए तक सैलरी मिलेगी। अग्निपथ योजना रक्षा बलों का खर्च और उम्र घटाने के सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। चार साल के बाद 80 प्रतिशत सैनिकों को कार्यमुक्त कर दिया जाएगा और आगे रोजगार के अवसर मुहैया कराने में सेना उनकी मदद करेगी। देश की सेवा कर चुके ऐसे प्रशिक्षित और अनुशासित युवाओं के लिए नौकरियां आरक्षित करने में विभिन्न कारपोरेशंस को भी रुचि होगी। सशस्त्र बलों का शुरुआती अनुमान है कि अगर योजना के तहत अच्छी खासी संख्या में सैनिकों की भर्ती हुई तो वेतन, भत्तों और पेंशन के मद में हजारों करोड़ रुपये की बचत होगी। रिक्तियां होने की स्थिति में योजना के तहत भर्ती सर्वश्रेष्ठ युवाओं को सेना में बने रहने का अवसर भी मिल सकता है। सैन्य मामलों के विभाग ने योजना बनाने से पहले आठ देशों के इसी तरह के माडल का अध्ययन किया था। कोरोना महामारी के कारण पिछले दो वर्षों में सशस्त्र बलों में सैनिकों की भर्ती में भारी कटौती की गई है। आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, वर्तमान में सेना, वायु सेना और नौसेना में 1,25,364 पद खाली हैं। इस अभियान का मकसद सरकार की लागत को कम करने के साथ-साथ हर साल हजारों प्रशिक्षित युवाओं को रोजगार देना है। आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित कॉलेजों के छात्र जो सशस्त्र बलों में उच्च प्रौद्योगिकी अभियान के विस्तार में योगदान दे सकते हैं, उन्हें एक छोटे कार्यकाल के लिए सेवा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। जिसके बाद वे नागरिक दुनिया में करियर बना सकते हैं। तो अब इंतजार किस बात का, अगर आप में देशभक्ति का जज्बा है, आप देश सेवा को इच्छुक हैं, और साथ ही साथ एक रोमांच और साहस भरी जिंदगी जीना चाहते हैं तो भारतीय सेना के द्वार खुलने वाले हैं। कोई भी युवा सेना के मापदंड पर खरा उतर कर भारतीय सेना का हिस्सा बन सकता है और अपना, अपने परिवार का और अपने देश का एक गौरवशाली भविष्य सुनिश्चित कर सकता है।

रोजगार में बड़ा सुधार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने रोजगार के बारे में जो घोषणाएं की हैं, यदि उन्हें वास्तव में अमली जामा पहनाया जा सके तो लोगों को काफी राहत मिलेगी। मोदी ने कहा है कि अगले डेढ़ साल में 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरियां मिलेगी और राजनाथ सिंह ने तो भारतीय सेना में भर्ती और सेवाओं के नियम ही बदल दिए हैं। इस समय देश में करोड़ों लोग पूर्णरूपेण बेरोजगार हैं और उससे भी ज्यादा लोग अर्धरोजगार हैं। याने उन्हें पूरे समय कोई काम मिलता ही नहीं है। यदि 10 लाख को रोजगार मिल जाए तो यह तो ऊँट के मुंह में जीरे के समान ही होगा। सरकार की दृष्टि अपनी नौकरियों तक ही सीमित है। केंद्र सरकार के पास 40 लाख पद हैं। उनमें से लगभग 9 लाख खाली पड़े हैं। उसका कर्तव्य क्या इतना ही है कि वह इन्हें भर दे? वह तो है ही, उनसे अलग नए गैर-सरकारी रोजगार पैदा करना उससे भी ज्यादा जरुरी है। सरकारी नौकरों को वेतन, भत्ता और पेंशन आदि तो पूरे-पूरे मिलते रहते हैं लेकिन वे अपना काम कितना करते हैं, इस पर कड़ी निगरानी का कोई तरीका हमारे यहां नहीं है जबकि चीन में मैंने कई बार देखा कि सरकारी और प्राइवेट कंपनियां अपने कार्यकर्त्ताओं से डटकर काम लेती हैं। इसीलिए भारत से पिछड़ा हुआ चीन हमसे पांच गुना ज्यादा मजबूत हो गया है। सरकारी नौकरियों की संख्या जरुर बढ़े लेकिन उनकी उपयोगिता के मानदंड काफी सख्त होने चाहिए और हर पांच साल में उनकी समीक्षा होनी चाहिए। जो भी अयोग्य पाया जाए, उस कर्मचारी को छुट्टी दी जानी चाहिए। फौज में नौकरियों के नए नियम बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथसिंह बधाई के पात्र हैं लेकिन कुछ अनुभवी अफसरों ने चिंता भी व्यक्त की है। इस साल 46 हजार नौजवानों को फौज में भर्ती किया जाएगा। उनकी उम्र 17.5 से 21 साल तक होगी। सभी जवानों को 4 साल तक फौज में रहना होगा। 4 साल बाद सिर्फ 25 प्रतिशत जवान वे ही रह पाएंगे, जो बहुत योग्य पाए जाएंगे। शेष 75 प्रतिशत जवानों को सेवा-निवृत्त कर दिया जाएगा। उन्हें पेंशन भी नहीं मिलेगी लेकिन नौकरी छोड़ते वक्त उन्हें 11 लाख 71 हजार रु. मिलेंगे, जिनसे वे कोई भी नया काम शुरु कर सकेंगे। उन्हें सरकार विभिन्न क्षेत्रों में प्राथमिकता भी दिलवाती रहेगी। इस नए प्रावधान पर एक प्रतिक्रिया यह भी है कि सिर्फ चार साल की नौकरी के लिए कौन आगे आएगा? उस चारवर्षीय अनुभव का फायदा अन्य नौकरियों में कुछ काम देगा या नहीं? ये प्रश्न तो जायज हैं लेकिन इस नई पहल के कई फायदे हैं। एक तो फौज में नौजवानों की संख्या बढ़ेगी और सदा कायम रहेगी। सरकार का पैसा जो दीर्घावधि वेतन और पेंशन पर खर्च होता है, वह बचेगा। इसके अलावा नई सैन्य तकनीकों के कारण यों भी सारे देश अपने फौजियों के संख्या-बल को घटा रहे हैं। चीन ने अपनी सेना को 45 लाख से घटाकर 20 लाख कर दिया है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और इस्राइल में फौजियों की कार्यवधि को काफी सिकोड़ दिया गया है। अब भारतीय फौज में जो भर्तियां होंगी, अंग्रेज की बनाई जातीय रेजिमेंटों में नहीं होंगी। यह भी बड़ा सुधार है। (लेखक - डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

दैनिक पंचांग

16 जून 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

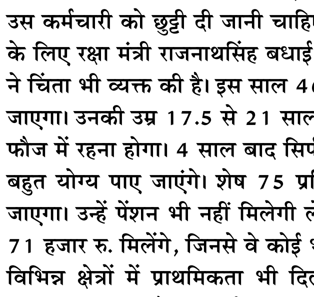

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.15 बजे से
चंद्र	धनु में	कर्क	07.29 बजे से
मंगल	मीन में	सिंह	09.45 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	11.57 बजे से
गुरु	मीन में	तुला	14.07 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.22 ब.से
शनि	कुंभ में	धनु	18.38 बजे से
राहु	मेष में	मकर	20.43 बजे से
केतु	तुला में	कुंभ	22.30 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	00.03 बजे से
		मेष	01.33 बजे से
		वृष	03.13 बजे से

गुरुवार 2022 वर्ष का 167 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079 **शक संवत्** 1944
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि द्वितीया 09.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 12.37 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 21.08 बजे को समाप्त।
करण गर 09.46 बजे तदनन्तर वणिज 19.56 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 20'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871281
जूलियन दिन 2459746.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जिल्काद
तारीख 16

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व **श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

राज्य सभा में राजनीतिक दलों की स्पष्ट तस्वीर

भारतीय संविधान निर्माताओं ने प्रजातांत्रिक शासन प्रणाली के अन्तगर्त में भारतीय संसद में दो सदन की व्यवस्था का प्रावधान किया है।इस व्यवस्था में लोक सभा व राज्य सभा का प्रावधान रखा गया है।राज्य सभा भारतीय लोकतंत्र की ऊपरी प्रतिनिधि सभा है व लोकसभा निचली प्रतिनिधि सभा का नाम दिया है। राज्यसभा में 245 सदस्य होते हैं।जिनमे 12 सदस्य भारत के राष्ट्रपति के द्वारा नामांकित होते हैं, इन्हें 'नामित सदस्य' कहा जाता है।शेष अन्य सदस्यों का चुनाव होता है।राज्यसभा में सदस्य 6 साल के लिए चुने जाते हैं,जिनमें एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक 2 साल में क्रमश:सेवा-निवृत होते हैं.

संविधान के अनुच्छेद 80 में राज्य सभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित की गई है, जिनमें से 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नाम निर्देशित किए जाते हैं और 238 सदस्य राज्यों के और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधि होते हैं।तथापि राज्य सभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्यक्षेत्र दिल्ली तथा पुडुचेरी के प्रतिनिधि हैं और 12 राष्ट्रपति द्वारा नाम निर्देशित हैं।राष्ट्रपति द्वारा नाम निर्देशित किए जाने वाले सदस्य ऐसे व्यक्ति होंगे जिन्हें साहित्य,विज्ञान,कला और समाज सेवा जैसे विषयों के संबंध में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है।

हाल में सम्पन्न हुए चार राज्यों की 16 राज्यसभा सीट के चुनाव के नतीजों के बाद राजनैतिक दलों में कही ख़ुशी, तो कही ग़म का माहोल हैं।

संसद के उच्च सदन में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों की संख्या मौजूदा 95 से घटकर 92 हो गई है,जबकि कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 29 से थोड़ा बढ़कर 31 हो गई है।वही शिरोमणी अकाली दल दो से शून्य पर तो बसपा 3 से 1सीट पर सिमट गई हैं,जब की वाईएसआर कांग्रेस की 6 से बड़कर 9 सीट हो गई हैं।सर्व विदित रहे कि राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव में प्रत्येक दो साल में एक तिहाई सीटों पर चुनाव होता है।राज्यसभा सदस्य का कार्यकाल की अविधि 6 वर्ष का होता हैं।

शुक्रवार को चार राज्यों- राजस्थान,हरियाणा, कर्नाटक और महाराष्ट्र में कांटे की टक्कर देखी गई,जहां भाजपा ने 57 सीट में से 22 पर जीत हासिल की,जबकि कांग्रेस के खाते में नौ सीट गई।

इस बार राज्य सभा के सेवानिवृत्त हो रहे 57 सदस्यों में से भाजपा के 25 सदस्य और कांग्रेस के सात सदस्य हैं।ये सभी सदस्य अगले महीने सेवानिवृत्त हो जाएंगे और उनकी जगह नव निर्वाचित सदस्य राज्य सभा सासंद बन कर आएंगे ।

दिलचस्प बात यह है कि इस बार भाजपा और कांग्रेस दोनों राजनीतिक पार्टी ने उम्मीदवार के लिए अपने नये और युवा चोहरों पर भरोसा जताया,जिनमें से कुछ को तो पहली बार राजनीतिक दलों ने मनोनीत किया हैघ संसद की इस ऊपरी सदन में युवा चेहरों को नामित करने वाली कांग्रेस पार्टी अब अधिक ताकत के साथ आगामी दिनों में सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने का प्रयास करेगी।भाजपा के संख्या बल में चार मनोनीत सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने सत्तारूढ़ दल के साथ रहने का विकल्प चुना है।भाजपा को सात और मनोनीत सदस्यों का समर्थन प्राप्त होगा।ये सात सीट फिलहाल खाली हैं।भाजपा को निर्दलीय कार्तिकेय शर्मा का भी समर्थन प्राप्त होगा ।

अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में,आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर-कांग्रेस की ताकत मौजूदा छह से 9 सीट की हो गई है,जबकि दिल्ली और पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के 10 सदस्य उच्च सदन में होंगे।द्रविड़ मुनेत्र कषगम(द्रमुक), बीजू जनता दल (बीजद),तेलंगाना राष्ट्र समिति(टीआरएस),जनता दल-यूनाइटेड (जदयू),राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और शिवसेना जैसे क्षेत्रीय दलों की ताकत पुर्व की तरह बरकरार है।इन दलों के उतने ही उम्मीदवार जीते हैं जितने उनके सेवानिवृत्त हुए हैं।राज्यसभा में द्रमुक के 10, बीजद के नौ, टीआरएस के सात,जद(यू) के पांच,राकांपा के चार और शिवसेना के तीन सदस्य हैं।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों की संख्या क्रमशः 13 और पांच है।राज्यसभा में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के वर्तमान में पांच सदस्य हैं,लेकिन आगे चार सदस्य होंगे क्योंकि पार्टी के दो उम्मीदवार जीते हैं जबकि तीन सदस्य सेवानिवृत्त हुए हैं.

समाजवादी पार्टी की ताकत राज्यसभा में मौजूदा पांच से घटकर तीन हो गई है,क्योंकि उसने अपनी सीट निर्दलीय कपिल सिब्बल और राष्ट्रीय लोक दल के नेता जयंत चौधरी को दी है।राष्ट्रीय जनता दल का अब एक और सदस्य होगा,जिससे उसके सदस्यों की मौजूदा संख्या पांच से बढ़कर छह हो जाएगी।बहुजन समाज पार्टी का अब ऊपरी सदन में अब केवल एक सदस्य होगा ।बसपा के अभी तीन सदस्य हैं ।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के सदस्यों की संख्या दो हो जाएगी।वर्तमान में दो सदस्यों वाले शिरोमणि अकाली दल का अब राज्यसभा में कोई प्रतिनिधि नहीं होगा क्योंकि उसके सभी सदस्य सेवानिवृत्त होने वाले हैं।केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और पीयूष गोयल तथा पी चिदंबरम, जयराम रमेश (दोनों कांग्रेस), कपिल सिब्बल (निर्दलीय), मीसा भारती (राजद),प्रफुल्ल पटेल (राकांपा) और संजय राउत (शिवसेना)चुने जाने के बाद फिर से राज्यसभा लौटने वाले कुछ प्रमुख नाम हैं।इसके अलावा, कांग्रेस के रणदीप सुरजेवाला और इमरान प्रतापगढ़ी भी राज्यसभा में होंगे,जबकि पार्टी के नेता मुकुल वासनिक,राजीव शुक्ला, रंजीत रंजन और प्रमोद तिवारी पहले भी सांसद रह चुके हैं । (लेखक- विनोद तकियावाला / ईएमएस) स्वतंत्र पत्रकार

आज का इतिहास 16 जून

1869 आस्ट्रेलिया के भीतरी इलाकों की खोज करने वाले ब्रिटिश नागरिक चार्ल्स स्टुअर्ट का निधन हुआ.
1925 राष्ट्रवादी नेता चित्तरंजन दास का निधन .
1948 किसी विमान का पहला अपहरण मकाओ और हांगकांग के बीच उड़ान के दौरान हुआ. जिसमें विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और अपहरणकर्ता ही बचा.
1952 खोए हुए विमान की तलाश कर रहे स्वीडिश विमान को सोवियत लड़ाकू विमानों को मार गिराया.
1975 ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका के बीच नौसैनिक सहयोग 169 वर्ष के बाद समाप्त हो गया.
1976 अश्वेतों के स्कूल में अफ्रीकी भाषा थोपने के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका में छात्रों ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया.
1977 जर्मनी के राकेट इंजीनियर बर्नर बानब्राउन का निधन हुआ,उसने वी-1 और वी-2 राकेटों का डिजाइन तैयार किया था.
1981 वीरू (फ्रेंच गुयाना) से एरियन 5 के प्रक्षेपण के साथ वाणिज्यिक अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत हुई.
1994 चीनी नीर्थ वेस्ट एयरलाइन्स टी-यू-154 विमान उड़ान भरने के 10 मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें 60 लोग मरे.
1995 भारतीय वायुसेना के पायलट कैप्टन अरूण कदीकर ने बारह हजार नौ सौ घंटे विमान उड़ाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया.
1997 उपराष्ट्रपति के.आर. नारायण को कांग्रेस व संयुक्त मोर्चे ने राष्ट्रपति पद के लिये साझा उम्मीदवार बनाया.
1999 दक्षिण अफ्रीका में थाबो एम्बरी राष्ट्रपति बने.
2005 देश में विदेशी अखबारों के प्रतिलिपी संस्करण छापने को मंजूरी.

कहो तो कह दूँ- 'मोटापे' में हैं गुन बहुत, सदा राखियो आपने पास

'नेशनल फेमिली हेल्थठ सर्वे में एक बात सामने है कि अपने देश के लोगों में मोटापा बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसको लेकर सर्वे वालों ने चिंता भी की है कि यदि ऐसे ही मोटापा बढ़ता गया तो कुछ दिनों में इस देश को मोटे लोगो का देश कहा जाने लगेगा, अपने को तो एक बात समझ से बाहर है कि मोटा और दुबला ये दो ही चीजे तो भगवान् ने बनाई है या तो आदमी मोटा होता है या फिर दुबला, दुबले आदमी को देखकर यही कहा जाता है कि खाना नहीं मिलता बेचारे को, कैसी हड्डी हड्डी दिख रही है , दुबले को झिनझिना, दुर्बल, निर्बल, कमजोर, शक्तिहीन, तरल, कृशित और कृशकाय और न जाने क्या क्या कहा जाता है ,वंही दूसरी तरफ मोटे ताजे आदमी को देख कर ये ही कहते है कि अच्छा खासा खाते पीते घर का आदमी है । मोटापे के कई फायदे भी है एक फायदा तो ये है कि कैसे भी कपडे पहन लो न फिटिंग की जरूरत है और न फैशन की, दूसरा फायदा ये है कि ट्रैन या बस में आपको देखकर दुबला पतला आदमी खुद ही अपनी सीट छोड़ देता है इस डर से कि यदि कंही खड़े खड़े उस पर गिर गए तो उसकी हड्डी टूटना तय ही है । पिछले कुछ शोधों के मुताबिक, मोटापा जोड़ो के दर्द यानि गठिया के रोगों में लाभ देता है । ये भी पता लगा है कि मोटे लोग ज्यादा खुश रहते हैं आपने अक्सर मोटे लोगों को खुश और खिलखिलाते हुए देखा होगा। एक और पुष्टि कई शोधों में भी हुई है कि पतले लोगों की तुलना में मोटे लोग मानसिक रुप से शांत और संतुष्ट रहते हैं जिसकी वजह से वो अक्सर छोटी-छोटी बातों में खुशियां तलाशकर खुश रहते हैं। ऐसे में अगर आप मोटे है, तो आप इससे परेशान न हों और लाइफ को खुलकर जीना जारी रखें। शिकागो के साइटोलॉजिस्टों के मुताबिक , मोटे व्यक्तियों के अंगों के चारों तरफ फैट यानि वसा की मोटी परत होती है, जिसे ठओमेंटम वसाठ कहा जाता है। ये ओमेंटम वसा शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के साथ मौसमी बीमारियों के खिलाफ प्रतिक्रिया करने की स्थिति को मैनेज करने में मदद करके होने वाले नुकसान से बचाता या रोकता है।. डिमेंशिया यानी भूलने की बीमारी की संभावना भी बेहद कम होती है मोटे लोगों में ।मानसिक रोग होने का खतरा भी बेहद कम होता है , इसका मुख्य कारण उनका हमेशा खुश रहना है । मोटापे के कारण शरीर की बढ़ी हुई चर्बी शरीर को कई तरह की चोट यानि ठफिजिकल स्ट्रोकठ से बचाने में कारगर साबित होती है। इसका मुख्य कारण उनका फैट होता है। इसके साथ ही मजबूत इम्यून सिस्टम शरीर में लगी चोट और घावों को तेजी से भरने में कारगर साबित होती हैं। अब आप ही बताओ कि जब मोटे होने के इतने फायदे है तो कौन दुबला होना चाहेगा

मोटापे ने दिलवाये पंद्रह सौ करोड़

एक अखबार में खबर छपी कि अपने उज्जैन के सांसद ठअनिल फिरोजियाठ की गिनती मोटे लोगों में होती है बताया जाता है कि उनका वजन ठएक सौ सत्ताइसठ किलो का था एक बार गडकरी जी ने उनसे कह दिया कि फिरोजिया जी आप अपना वजन कम कर लो जितने किलो वजन आप काम करोगे हर किलो पर आपकी लोकसभा के विकास के लिए सौ करोड़ रूपये दूंगा । बस क्या था फिरोजिया जी ने दिन रात मेहनत करके डाइटिंग करके अपना वजन पंद्रह किलो कम कर लिया अब गडकरी जी फंस गए है क्योंकि वादा तो कर दिया था कि हर किलो पर सौ करोड़ रूपये देंगे अब फिरोजिया दिल्ली पंहुच गए है अपने पंद्रह सौ करोड़ रुपया लेने के लिए । अब सोचो यदि फिरोजिया जी मोटे न होते दुबले पतले होते तो क्या गडकरी जी उनसे कोई ऐसी शर्त रख पाते ? कभी नहीं, मोटापे ने फिरोजिया जी को उनके लोकसभा इलाके में डेवलपमेन्ट के लये एक ही झटके में पंद्रह सौ करोड़ रूपये दिलवा दिए अपने को तो लगता है कि अब हर मोटे सांसद को अपना मोटापा दूर करके पैसे पाने का एक अच्छा खासा तरीका मिल गया है पता लगा है कि इसके बाद से हर पतला दुबला सांसद मोटा होने के लिए ठचिकनाईठ की चीजें खाने में जुट गया है कि पहले मोटे हो जाओ फिर गडकरी जी से मिलकर मोटापा कम करने की शर्त लगा लो और पैसा ले लो

टिकिट तुम कब मिलोगी

जैसे कोई आशिक अपनी महबूबा का इन्तजार करता रहता है वैसा ही इन्तजार नगरीय निकायों के आगामी महीनो में होने वाले चुनाव के उम्मीदवारों को है सोते जागते रात और दिन भर बस एक ही बात दिमाग में आती है कि ठटिकिट तुम कब मिलोगीठ लेकिन इन राजनैतिक दलों के बड़े नेता इन बेचारे उम्मीदवारों की धैर्य की परीक्षा लेने में जुटे हुए है रोज सुबह खबर आती है कि बस आज शाम तक टिकिट फ़ाइनल हो जाएगी लेकिन रात हो जाती है और टिकिट फाइनल नहीं हो पाती । उम्मीदवारों की रातो की नींद उड़ गयी है तकिये के बिलकुल करीब मोबाइल रख कर सोते है कि कंही ऐसा न हो कि हाई कमान से फोन आ जाए और सुन न पाए ;और मिलने वाली टिकिट किसी दूसरे की झोली में चली जाए । बड़े बड़े नेताओं के दरवाजे पर याचक बन कर खड़े है उम्मीदवार और एक ही गाना गा रहे है ठतेरे दर पे आया हूँ कुछ लेके जाऊंगा झोली भर के जाऊँगा या बैरंग जाऊँगाठ सचमुच ये चुनाव की टिकिट बड़ी ही जालिम चीज है जिसको मिल गयी उसे लगता है जैसे सारा संसार उसकी मुठ्ठी में आ गया है और जिसे नहीं मिलती उसको लगता है कि उसकी दुनिया ही लुट गई है भोपाल , दिल्ली के चक्कर लगा लगा कर हलाकान है उम्मीदवार, साँसे और धड़कने रुकी हुई है बस एक ही सपना दिख रहा है कि टिकिट मिल गयी है लेकिन बड़े नेता करे भी तो क्या करें, ठएक अनार सौ बीमारठ वाली स्थिति जो है किसको दें, किसको छोड़े जिसको न दें वोही पार्टी से बगावत करने तैयार हो जाता है जिसको मिली है उसको हराने के लिए जी जान एक कर देता है ताकि ये बतला सके कि देखा मुझे टिकिट न देने का नतीजा। कुल मिलाकर हर उम्मीदवार के लिए यदि दुनिया में सबसे मूलयवान वस्तु यदि कोई है तो वो है ठचुनाव की टिकिट' सुपर हिट ऑफ द वीक

'ठतुम कोई ऐसी दो बातें कहो एक से में खुश हो जाऊं और दूसरी बात से नाराज ठश्रीमती जी ने श्रीमान जी से कहा

'तुम मेरी जिंदगी हो, और लानत है ऐसी जिंदगी परठ श्रीमान जी ने उत्तर दे दिया (लेखक - चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

ताइवान ने बनाई सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल यून फेंग, बीजिंग तक मचा सकती है तबाही

ताइपे (ईएमएस)। चीन की धमकियों से जूझ रहे ताइवान ने ड्रैगन के खतरे से निपटने के लिए स्वदेशी सुपरसोनिक मिसाइल यून फेंग बनाने में सफलता हासिल की है। यह मिसाइल चीन की राजधानी बीजिंग तक तबाही मचाने में सक्षम है। ताइवान की विधाई सभा के अध्यक्ष यूसी कून ने इस मिसाइल का हवाला देकर चीन को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा ताइवान पर हमला करने से पहले चीन दो बार सोच ले। योउ ने यह चेतावनी ऐसे समय दी है जब ताइवान के समुद्री इलाके पर ड्रैगन ने अपनी संप्रभुता का दावा किया है।

चीन ने पहली बार यह दावा किया है कि ताइवान स्ट्रेट एक अंतरराष्ट्रीय समुद्र नहीं है। ताइवान ओवरसीज नेटवर्क के समक्ष दिए अपने भाषण में यू सी कून ने ताइवान चीन के खिलाफ अपनी गुप्त मिसाइल का इस्तेमाल करने से परहेज नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि ताइवान अपनी सेना को सुपरपावर चीन से होने वाली किसी जंग से निपटने के लिए आत्मनिर्भर बनाने की योजना पर काम कर रहा है।

ताइवानी नेता ने ताइवान की तुलना यूक्रेन से करते हुए कहा कि हम अपनी संप्रभुता की रक्षा करेंगे और उन्हें इसके लिए तैयार रहना होगा। माना जा जाता है कि ताइवान ने यून फेंग क्रूज मिसाइल का विकास 1996 में ताइवान स्ट्रेट संकट के पैदा होने के बाद किया था। उस समय चीन ने कई मिसाइल परीक्षण करके ताइवान को डराने की कोशिश की थी। माना जाता है कि ताइवान की इस क्रूज मिसाइल की मूल रूप से रेंज 1000 किमी थी लेकिन इसके अपडेट वर्जन की मारक क्षमता अब 2000 किमी तक पहुंच गई है।

ताइवान मिसाइल की 2000 किमी की क्षमता की वजह से वह अब चीन की राजधानी बीजिंग तक को निशाना बनाने में सक्षम हो गया है। बीजिंग ताइवान से करीब 2000 किमी की दूरी पर स्थित है। चीन लगातार ताइवान को जंग की धमकी दे रहा है। चीन ने कहा कि अगर बातचीत से मामला नहीं सुलझा तो वह ताकत के बल पर ताइवान पर कब्जा कर लेगा। चीन और ताइवान को बांटने वाले संकरे समुद्री रास्ते को लेकर ताइवान और चीन के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। अमेरिका अक्सर ताइवान के समर्थन में अपने युद्धपोतों को इस रास्ते से भेजता है, जिससे चीन बुरी तरह चिढ़ जाता है। अमेरिका और अन्य देशों का मानना है ताइवान स्टेट एक अंतरराष्ट्रीय समुद्र है।

शब्द पहेली - 7318

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -7317 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

दृष्टिबाधित एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने तिहरा शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

ब्रिस्बेन (ईएमएस)। दृष्टिबाधित एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज स्टीफन नेरो ने तिहरा शतक लगाकर विश्व रिकार्ड बनाया है। नेरो ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 140 गेंदों पर नाबाद 309 रन बनाए। इससे पहले साल 1998 में दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्व कप में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पाकिस्तान के मसूद जान ने दोहरा शतक लगाया था। नेरो के तिहरे शतक की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 541 रन बनाये। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 269 रनों से हराया। न्यूजीलैंड के खिलाफ नेरो का यह लगातार तीसरा शतक है।

ब्रिस्बेन में खेले गए इस मुकाबले में जीत के बाद नेरो ने कहा, 'देश की ओर से खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। ऐसे में देश के लिए शतक बनाना उन यादों में से एक है जो आप जिंदगी भर संजो कर रखना चाहेंगे।' इस मैच के दौरान नेरो ने सीरीज का अपना पहला छक्का लगाया। नेरो किसी भी प्रारुप में तिहरा शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलिया के सातवें खिलाड़ी हैं।इससे पहले दिग्गज डॉन ब्रैडमैन (दो बार), बॉब सिम्बसन, बॉब कॉवपर, मार्क टेलर, मैथ्यू हेडन, माइकल

आईपीएल टीमें विदेशों में भी खेल सकेंगी मैत्री मुकाबले : जय शाह

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) आने वाले समय में आईपीएल का स्वरुप बदलने जा रहा है। आईपीएल की जिस प्रकार लोकप्रियता बढ़ रही है। उससे वह विश्व की शीर्ष लीग में भी शामिल हो गयी है। प्रसारण अधिकारों में भी उसपर पैसे की बरसात हुई है। भारत सहित विश्व भर में आईपीएल के प्रशंसक हैं। 15 वें सत्र में आईपीएल में टीमों की तादाद भी बढ़ी है और अब इसमें दस टीमें खेल रही हैं। अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इसके लिए ढाई महीने का विंडो देगा। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि यह योजना बनायी जा रही है कि आईपीएल की टीमें विदेशों में भी जाकर मैत्री मैच खेल सकें।

इसका कारण यह है कि आईपीएल 2022 के सत्र में 74 मैच खेले गए। इतने ज्यादा मैचों के कारण फ्रेंचाइजी को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसी लिए अब फ्रेंचाइजी चाहती हैं कि आईपीएल दो चरण में कराया जाए। जय शाह के अनुसार इससे पहले कोरोना संक्रमण के कारण साल 2020 में आईपीएल दो चरणों में कराया जा चुका है। पहला चरण भारत जबकि दूसरा यूएई में हुआ था। जय शाह ने कहा कि आईपीएल टीमें देश के बाहर जाकर विदेशी टीमों के साथ मैत्री मैच खेल सकती हैं और इसको लेकर योजना अभी तैयार की जा रही है। इस मामले पर विदेशी टीमों से भी बातचीत भी की जा रही है। यह एक लंबी प्रक्रिया है , इसलिए अंतरराष्ट्रीय मैचों के कार्यक्रम को भी ध्यान में रखा जाएगा।

आज इंग्लैंड दौरे पर रवाना होगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (ईएमएस)। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार 16 जून को इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होगी। भारतीय टीम इस दौरे में एक टेस्ट के अलावा तीन मैचों की एकदिवसीय और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। उपकप्तान लोकेश राहुल का इस दौरे पर जाना तय नहीं है। राहुल अभी तक अपनी चोट से नहीं उबरे है। इंग्लैंड के लिए पहला दल मुंबई से 16 जून को रवाना होगा। उनके साथ एनसीए के कुछ स्टाफ सदस्य भी रहेंगे। वहीं दूसरा दल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के 5वें टी20 मैच के बाद 19 जून को बैंगलोर से रवाना होगा।

इंग्लैंड रवाना होने से पहले सभी खिलाड़ियों की दो बार आरटी पीसीआर जांच होगी। इस टेस्ट में नेगेटिव आने के बाद ही उन्हें इंग्लैंड भेजा जाएगा। इसके अलावा लंदन पहुंचने के बाद भी उनकी जांच होगी। इसके बाद ही टीम लीस्टर के लिए रवाना होगी। 24 जून से होने वाले अभ्यास मैच से पहले भारतीय टीम का एक छोटा सा शिविर भी लगेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ , विकेटकीपर ऋषभ पंत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी घरेलू टी20 सीरीज के बाद 19 को इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होंगे। टीम इस प्रकार है रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल (उप कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, चेतेश्वर पुजारा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड मैच में बने कई नये रिकार्ड

नॉटिंघम (ईएमएस)। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कई नये रिकार्ड बने हैं। इस मैच में चौके और छक्के से ही 1000 रन बने हैं। इस मैच में इंग्लैंड ने शानदार जीत दर्ज की। 1877 से खेले जा रहे टेस्ट क्रिकेट इतिहास में यह पहली बार है जब किसी एक टेस्ट में बाउंड्री से 1000 रन बने हैं। मैच में 225 चौके और 24 छक्के लगे। मैच में 225 चौके और 24 छक्के लगे। इस प्रकार भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच साल 2004 में बना सबसे अधिक रनों का रिकार्ड भी टूट गया है। तब सिडनी में खेले गए टेस्ट में बाउंड्री से ही 976 रन बने थे। उस मैच में 238 चौके और 4 छक्के लगे थे हालांकि यह मुकाबला ड्रॉ रहा था।

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड मैच में कुल 1675 रन बने। यह इंग्लैंड में एक टेस्ट में दूसरा सबसे अधिक रन बनने का रिकॉर्ड है। इससे पहले साल 1948 में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए मैच में 1723 रन बने थे। इस प्रकार 74 साल बाद ऐसा हुआ है। मैच में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 553 जबकि दूसरी पारी में 284 रन बनाए थे। वहीं इंग्लैंड ने पहली पारी में 539 और दूसरी पारी में 5 विकेट पर 299 रन बनाए। मैच में 5 शतक लगे। डेरिल मिचेल ने सबसे अधिक 190 रन की पारी खेली।

इंग्लैंड के लिए यह सीरीज इसलिए अहम थी, क्योंकि इससे पहले एशेज सीरीज में खराब प्रदर्शन और वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हार के बाद कप्तान जो रूट और कोच क्रिस सिल्वर वुड ने पद छोड़ दिया था। टीम की कप्तानी बेन स्टोक्स को दी गयी थी और ब्रेंडन मैक्कुलम को टीम का नया कोच बनाया गया था।

एएफसी एशियन कप क्वालिफायर्स में भारतीय फुटबॉल टीम ने हांगकांग को 4-0 से हराया

कोलकाता (ईएमएस)। कप्तान सुनील छेत्री के साथ ही तीन अन्य खिलाड़ियों के किये गये गोल से भारतीय फुटबॉल टीम ने एएफसी एशियन कप क्वालिफायर्स में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की है। भारतीय टीम ने अपने तीसरे और अंतिम मुकाबले में हांगकांग को 4-0 से हराया। भारतीय टीम ने हालांकि इस मुकाबले से पहले ही एएफसी एशियन कप 2023 के लिए क्वालिफाई कर लिया था। भारत की ओर से इस मैच में छेत्री के अलावा अनवर अली, मानवीर सिंह और ईशान पंडित ने एक-एक गोल किया। भारतीय टीम ने इस मुकाबले से पहले अफगानिस्तान और कंबोडिया की टीमों को हराया था। वहीं दूसरी ओर भारत के हाथों हार के बाद भी हांगकांग ने अगले साल आयोजित होने वाले फाइनल्स में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने ग्रुप डी में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वहीं दूसरी ओर, हांगकांग की टीम ने साल 1968 के बाद से ही पहली बार एएफसी एशियन कप के लिए क्वालिफाई किया है। भारत की ओर से अनवर ने दूसरे मिनट में, कप्तान सुनील ने 44वें मिनट में जबकि मानवीर सिंह ने 85वें मिनट और ईशान पंडिता ने 93वें मिनट में गोल किये। भारतीय टीम इस प्रकार अपने ग्रुप में तीनों मैच जीतकर नौ अंकों के साथ ही शीर्ष पर है।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल : यशस्वी के शतक से मुम्बई ने बनाये पांच विकेट पर 260

नई दिल्ली (ईएमएस)। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के शानदार शतक 100 रनों की बदौलत मुंबई ने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले ही दिन उत्तर प्रदेश के खिलाफ पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 260 रन बना लिये थे। इस मैच में उत्तर प्रदेश के कप्तान करण शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु की। तेज गेंदबाज यश दयाल ने मुम्बई टीम के कप्तान पृथ्वी शॉ को शून्य पर ही आउट कर टीम को करारा झटका दिया। मुम्बई ने 35 रनों के अंदर ही दो विकेट खो दिये थे।

शिवम मावी ने अरमान जाफर को 10 रनों पर आउट कर उत्तर प्रदेश को दूसरी सफलता दिलायी। पिछले मैच में पदार्पण पर दोहरा शतक लगाने वाले पारकर एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। सरफराज खान ने तेजी से 40 बनाये। वह करण शर्मा का शिकार बने। दिन का खेल खत्म होते समय तामोरे के साथ शम्स मुलानी 10 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे। वहीं मध्यप्रदेश और बंगाल के बीच चल रहे दूसरे सेमीफाइनल में मप्र के हिमांशु ने शानदार शतक जमाया जिससे मध्य प्रदेश की टीम बंगाल के खिलाफ पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक छह विकेट पर 271 रन बनाने में सफल रही।

भारत और रूस के बीच नए ट्रेड रूट से ईरानी शिपिंग कंपनी ने

सेंट पीटर्सबर्ग से मुंबई माल पहुंचा कर रचा इतिहास

मॉस्को (ईएमएस)। ईरान की सरकारी शिपिंग कंपनी ने भारत और रूस के बीच नए ट्रेड रूट के जरिए माल पहुंचाकर इतिहास रच दिया है। कंपनी ने रूस से भारत तक माल पहुंचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) का इस्तेमाल किया। 7200 किमी लंबे इस ट्रेड रूट में पाकिस्तान और अफगानिस्तान को बायपास कर दिया गया है। अगर यही माल रूस से स्वेज नहर के जरिए भारत पहुंचता तो इसे 16112 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती। ऐसे में अगर यह व्यापार गलियारा एक्टिव हो जाता है, तो न सिर्फ भारत और रूस के बीच ट्रेड में जबरदस्त इजाफा होगा, बल्कि ईरान और कजाकिस्तान के साथ भी व्यापारिक संबंध प्रगाढ़ होंगे।

सेंट पीटर्सबर्ग में बना माल अस्त्रखान में कैस्पियन सागर के किनारे स्थित रूसी पोर्ट सोल्यंका लाया गया। यहां से शिप के जरिए माल को ईरान के अंजली कैस्पियन बंदरगाह लाया गया। अंजलि बंदरगाह से माल को सड़क मार्ग के जरिए होर्मुज की खाड़ी के किनारे स्थित बंदर अब्बास लेकर जाया गया। फिर यहां से शिप के जरिए अरब सागर के रास्ते इस माल को मुंबई के बंदरगाह पर पहुंचाया गया।

आईएनएसटीसी परिवहन गलियारे में रूस से निकला माल कैस्पियन सागर, कजाकिस्तान, ईरान और अरब सागर होते हुए भारत पहुंचेगा। इस रास्ते से अफगानिस्तान और पाकिस्तान को हटाने से परिवहन के दौरान माल को खतरा भी कम होगा। इसके अलावा माल ढुलाई में सरकारी दखलअंदाजी के कारण बेवजह लेटलतीफी से भी मुक्ति मिलेगी। पिछले कई साल से भारत, रूस और ईरान आपसी व्यापार को बढ़ाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मामलों के जानकारों का मानना है कि आईएनएसटीसी से परिवहन लागत में 30 फीसदी तक कमी हो सकती है। इतना ही नहीं, इससे भारत और रूस के बीच माल ढुलाई के समय में भी 40 फीसदी की बचत की जा सकती है। 2019 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने व्लादिवोस्तोक-चेन्नई समुद्री गलियारा स्थापित करने पर सहमति जताई थी।

सोने में हल्की बढ़त, चांदी में तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में बेहद मामूली बढ़त आई है जबकि चांदी में तेजी दिखी है। दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना तीन रुपये की बढ़त के साथ ही 50,304 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,301 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 304 रुपये ऊपर आकर 60,016 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी का भाव 59,712 रुपये प्रति किलोग्राम रहा था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ ही 1,820 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। चांदी 21.35 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर थी।

क्रिप्टोकरेंसी मूर्ख बनाने वाली नकली चीज : बिल गेट्स

वाशिंगटन (ईएमएस)। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर और अरबपति उद्योगपति बिल गेट्स फिर क्रिप्टोकरेंसी पर बरसे हैं। बिल गेट्स ने क्रिप्टोकरेंसी को मूर्ख बनाने वाली एक बड़ी थ्योरी पर आधारित नकली चीज करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह न लॉन्ग टर्म की और न ही शॉर्ट टर्म की संपत्ति है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बिल गेट्स ने क्रिप्टोकरेंसी पर कटाक्ष कर कहा, जाहिर है, बंदरों के महंगे चित्रों से दुनिया में सुधार होने जा रहा है। उनका इशारा नॉन-फंगिबल टोकन्स की ओर था। गौरतलब है कि बिल गेट्स क्रिप्टोकरेंसी के कटु आलोचक हैं, वे इसलिए टेस्ला सीईओ एलन मस्क से भी भिड़ चुके हैं। बिल गेट्स ने पिछले साल बिटकॉइन को खुदरा निवेशकों के लिए बेहद जोखिम भरा बताया था। कॉइन्स की माइनिंग से पर्यावरण को होने वाले नुकसान को लेकर उनकी एलन मस्क से तीखी बहस हुई थी। डिजिटल एसेट्स पर बिल गेट्स को भरोसा नहीं है। गेट्स ने कहा था वह उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी में अपना कोई पैसा नहीं लगाया है। बिल गेट्स ने कहा कि वे ऐसी चीज में पैसा लगाना पसंद करूंगा, जिसका कोई वैल्यूएबल आउटपुट हो। डिजिटल एसेट्स इस तरह के निवेश में नहीं आते हैं।

नवंबर 2021 में ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 2.9 लाख करोड़ डॉलर के पीक पर था, लेकिन इस साल क्रिप्टो की मार्केट वैल्यू में भारी कमी आई है। पिछले दो महीनों में इसकी वैल्यू 1 लाख करोड़ डॉलर कम हो चुकी है। बुधवार को भारतीय समयानुसार सुबह 9:42 बजे तक ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप लगभग 1.3 फीसदी की गिरावट के साथ 916 बिलियन डॉलर पर आ गई है। पिछले साल 10 नवम्बर के बाद से यह अब तक 70 फीसदी से ज्यादा गिर चुकी है।

चीन ने भारतीयों पर से कोविड वीजा प्रतिबंध हटाया, चीनी विवि में पढ़ रहे 20 हजार छात्रों को मिलेगा फायदा

बीजिंग (ईएमएस)। चीन ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर बीजिंग द्वारा लगाए गए सख्त वीजा प्रतिबंधों के चलते दो साल से अधिक समय से भारत में फंसे भारतीय पेशेवरों और उनके परिजनों को वीजा जारी करने की योजना का ऐलान किया है। इसके अलावा, चीन सरकार चीनी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे उन हजारों भारतीय छात्रों के आवेदनों का भी निपटारा कर रही है, जिन्होंने पढ़ाई के लिए अपने कॉलेज और विश्वविद्यालयों में लौटने की इच्छा जताई है।

कोरोना से पहले लगभग 20000 भारतीय छात्र चीन में पढ़ाई करते थे। भारत स्थित चीनी दूतावास ने दो साल से अधिक समय के बाद अपनी कोविड-19 वीजा नीति को अपडेट किया है, जिसके तहत सभी क्षेत्रों में काम दोबारा शुरू करने के लिए चीन लौटने के इच्छुक विदेशी नागरिकों और उनके परिजनों से वीजा आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। यह कदम उन हजारों भारतीय पेशेवरों और उनके परिजनों के लिए बड़ी राहत है, जो 2020 से ही स्वदेश में फंसे हुए हैं। पिछले महीने चीन में रह रहे कई भारतीय पेशेवरों ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से बीजिंग पर भारत में फंसे अपने परिजनों को वापस आने की अनुमति देने के दबाव बनाने का अनुरोध किया था।

नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने कहा कि भारतीयों के अलावा उन चीनी और विदेशी नागरिकों के परिजन भी अपने परिजनों या रिश्तेदारों से मिलने की खातिर वीजा के लिए आवेदन दे सकते हैं, जिनके पास चीन का स्थाई निवास परमिट है। भारतीयों (जिनमें से कुछ की शादी चीनी नागरिकों से हुई है) के अलावा विभिन्न कंपनियों के लिए काम करने वाले कई चीनी कर्मचारी भी बीजिंग के वीजा प्रतिबंधों और उड़ानें रद्द होने के कारण भारत में फंसे हुए थे।

हालांकि, चीनी दूतावास ने स्पष्ट किया है कि पर्यटन और निजी उद्देश्यों के लिए वीजा सेवा अभी भी निलंबित रहेगी। अप्रैल में भारत से लंबे समय से चल रही बातचीत के बाद चीन 'कुछ' भारतीय छात्रों को वापसी की अनुमति देने के लिए सहमत हो गया था। उसने नयी दिल्ली स्थित भारतीय दूतावास से लौटने के इच्छुक भारतीय छात्रों का विवरण जुटाने के लिए कहा था। विभिन्न रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2019 में चीन में कोरोना वायरस महामारी की शुरुआत के बाद भारत लौटने वाले 23,000 से अधिक भारतीय छात्र स्वदेश में फंस गए थे। इनमें ज्यादातर चीनी कॉलेजों से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्र शामिल हैं। वे संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए बीजिंग द्वारा लगाए गए वीजा प्रतिबंधों के कारण चीन नहीं लौट सके थे।

बारह हजार से अधिक भारतीय छात्रों ने कथित तौर पर चीन वापस जाने की इच्छा जताई है और उनका विवरण चीन सरकार को उपलब्ध करा दिया गया है।हालांकि, चीन द्वारा छात्रों की वापसी से संबंधित मानदंडों को तय किया जाना बाकी है, क्योंकि बीजिंग देश में कोविड-19 के मामलों में हालिया वृद्धि को देखते हुए बड़ी संख्या में लोगों को एक बार में लौटने की इजाजत देने को तैयार नहीं है। भारतीयों के लिए वीजा सेवा बहाल करने वाले चीन ने अभी तक दोनों देशों के बीच उड़ानें शुरू करने की घोषणा नहीं की है। मौजूदा समय में सिर्फ दोनों देशों के राजनयिक ही तीसरे मुल्क को जाने वाली उड़ानों के जरिये बीजिंग की यात्रा कर सकते हैं। मगर, यह यात्रा काफी महंगी पड़ती है। हालांकि, वीजा के संबंध में चीन की ताजा घोषणा ने उम्मीद जगाई है कि दोनों देशों के बीच जल्द ही उड़ान सेवाएं बहाल हो सकती हैं। हाल के महीनों में चीन ने पाकिस्तान, थाईलैंड, सोलोमन द्वीप और श्रीलंका जैसे कुछ मित्र देशों के छात्रों को लौटने की अनुमति दी है।

ईरान में महसूस हुए भूकंप के तेज झटके, किसी नुकसान की सूचना नहीं

दुबई (ईएमएस)। ईरान के दक्षिणी किश द्वीप के पास तीन बार भूकंप के झटके महसूस हुए, जिससे दुबई और फारस की खाड़ी के अन्य क्षेत्र भी प्रभावित हुए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, 4.7 तीव्रता के दो भूकंप आए और उसके बाद 5.3 की तीव्रता से होर्मुज जलडमरूमध्य द्वीप के पास तीसरा झटका महसूस किया गया। ईरान ने भूकंप से तत्काल किसी तरह का नुकसान होने की सूचना नहीं दी है। ईरान भूकंप के लिहाज से संवदेनशील देश हैं, वहां औसतन एक दिन में एक भूकंप का अनुभव किया जाता है। ऐतिहासिक शहर बाम में 2003 में 6.6 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें 26 हज़ार लोग मारे गए थे। इसके अलावा 2017 में पश्चिमी ईरान में आए भूकंप से 600 से अधिक लोग मारे गए थे और नौ हज़ार से अधिक घायल हो गए थे।

केंद्र ने 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी को मंजूरी दी

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5जी दूरसंचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी की मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान में जानकारी दी गई कि सरकार 20 साल की वैधता वाले कुल 72097.85 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम की जुलाई माह के आ?खिर तक नीलामी करेगी। बयान में कहा गया कि मंत्रिमंडल ने नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए निजी उपयोग वाले नेटवर्क की स्थापना को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। सरकार ने स्पेक्ट्रम के लिए अग्रिम भुगतान की आवश्यकता को समाप्त किया, सफल बोलीदाता 5जी स्पेक्ट्रम के लिए 20 ईएमआई में भुगतान कर सकते हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में बुधवार को भी गिरावट रही। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन भी विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी से बाजार में बिकवाली हावी रही। इसके साथ ही दुनिया भर के बाजारों से भी मिलेजुले संकेत मिले हैं। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 152.18 अंक करीब 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ ही 52,541.39 अंक पर बंद हुआ।

इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 39.95 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी नीचे आकर 15,692.15 अंक पर बंद हुआ। दिग्गज कंपनियों में शामिल एनटीपीसी, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, विप्रो, टेक महिंद्रा और पावरग्रिड के शेयर नीचे आये जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा। दूसरी ओर बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील और लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों को लाभ हुआ।

वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की नुकसान में रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग तथा चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में रहा। यूरोप के बाजार लाभ में रहे। दूसरी ओर अमेरिकी बाजार में मिला-जुला रुख देखने में आया।

अमेरिका में लगातार बढ़ रहे गर्भपात के मामले, 2017 के मुकाबले 2020 में बढ़े

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में गर्भपात कराने के मामलों वृद्धि हुई है। लंबे समय तक मामले कम रहने के बाद गर्भपात के मामलों की संख्या में 2017 की तुलना में 2020 में बढ़ोतरी हुई है। गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करने वाले एक शोध समूह की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में अमेरिका में 9,30,000 से अधिक गर्भपात के मामले सामने आए। जबकि यह आंकड़ा 2017 में करीब 8,62,000 था। खबर के मुताबिक अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के 1973 के फैसले के बाद से 2017 में अमेरिका में राष्ट्रीय स्तर पर गर्भपात के आंकड़े सबसे कम थे। सुप्रीम कोर्ट ने 1973 के अपने फैसले में देश भर में गर्भपात की प्रक्रिया को वैध बना दिया था। रिपोर्ट के अनुसार 2020 में हर पांच गर्भवती महिलाओं में से एक ने गर्भपात कराया। यह आंकड़े उस समय में बढ़ रहे हैं, जब शीर्ष अदालत 1973 के फैसले को पलटने की तैयारी में है।

स्वास्थ्य कानून एवं नीति की प्रोफेसर ने कहा कि गर्भपात कराने वाली महिलाओं की संख्या एक जरूरत को दर्शाती है। ये इस बात को साफ करती है कि सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय एक अत्यंत महत्वपूर्ण सेवा तक पहुंच के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है। 2020 में सामने आए मामलों में से 54 प्रतिशत महिलाओं ने गर्भपात के लिए दवाओं का सहारा लिया। जिसके लिए उन्होंने 'गर्भपात की गोली' आदि ली। हालांकि, कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण कुछ राज्यों में गर्भपात के मामलों में कमी भी आई है।

रिपोर्ट के अनुसार न्यूयॉर्क में गर्भपात के मामलों में 2017 की तुलना में 2019 में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। लेकिन फिर 2019 और 2020 के बीच इसमें छह प्रतिशत गिरावट आई। वहीं टेक्सास में इस अवधि में गर्भपात के मामलों में दो प्रतिशत की कमी आई। रिपोर्ट के मुताबिक शोधकर्ताओं ने पाया कि 2020 में कम महिलाएं गर्भवती हुईं और जो हुईं उनमें से बड़ी संख्या में महिलाओं ने गर्भपात करा लिया। जबकि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2020 में गर्भपात की दर 15-44 आयु वर्ग में प्रति 1,000 महिलाओं पर 14.4 थी। जो 2017 में प्रति 1,000 महिलाओं पर 13.5 थी। पश्चिम में गर्भपात में 12 प्रतिशत, मिडवेस्ट में 10 प्रतिशत, दक्षिण में आठ प्रतिशत और पूर्वोत्तर में प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

अब घरेलू रसोई गैस का नया कनेक्शन लेना हुआ महंगा

- सिलेंडर के साथ दिए जाने वाले गैस रेगूलेटर की कीमत भी 100 रुपए बढ़ाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब घरेलू रसोई गैस का नया कनेक्शन लेना भी महंगा हो गया है। पेट्रोलियम कंपनियां गुरुवार 16 जून से बढ़े हुए दाम लागू कर देंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर के सिक्योरिटी अमाउंट में कंपनियों ने 750 रुपए का इजाफा कर दिया है। पांच किलोग्राम वाले सिलेंडर के लिए भी अब 350 रुपए ज्यादा देने होंगे। सिलेंडर के साथ दिए जाने वाले गैस रेगूलेटर की कीमत भी 100 रुपए बढ़ा दी गई है। उज्ज्वला योजना के लाभार्थी भी अगर दूसरा सिलेंडर लेंगे तो उन्हें बढ़ा हुआ पैसा देना होगा। नया रसोई कनेक्शन लेने के लिए उपभोक्ता को 2,200 रुपए देने होंगे। पहले यह राशि 1450 रुपए थी। इस तरह अब 750 रुपए सिलेंडर की सिक्योरिटी के रूप में ज्यादा जमा कराने होंगे। इसके अलावा रेग्युलेटर के लिए 250, पासबुक के लिए 25 और पाइप के लिए 150 रुपए अलग से देने होंगे। इस हिसाब से पहली बार गैस सिलेंडर कनेक्शन और पहले सिलेंडर के लिए उपभोक्ता को कुल 3,690 रुपए खर्च करने होंगे। अगर कोई दो सिलेंडर लेता है तो उसे सिक्योरिटी के रूप में 4400 रुपए देने होंगे। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के मुताबिक पांच किलोग्राम के सिलेंडर की सिक्योरिटी के रूप में अब 800 रुपए की जगह 1150 रुपए देने होंगे। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस सिलेंडर लेने वाले ग्राहकों को भी झटका लगने वाला है। यदि इन ग्राहकों ने अपने कनेक्शन पर दूसरा सिलेंडर लिया तो उन्हें बढ़ी हुई सिक्योरिटी राशि देनी होगी । ग्राहकों को नए कनेक्शन में लगने वाले रेगुलेटर के लिए अब 150 रुपएकी जगह 250 रुपए देने होंगे।

स्विट्जरलैंड में अचानक रुका एयर ट्रैफिक, कंप्यूटर्स में आई तकनीकी खराबी

जिनेवा (ईएमएस)। स्विट्जरलैंड का हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) तकनीकी खराबी की वजह से बंद हो गया है। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने जानकारी दी है कि वहां मौजूद कंप्यूटर सिस्टम में कुछ खराबी आई है, जिसकी वजह से ऐसा हुआ है। अधिकारी ने बताया कि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली के साथ कुछ समस्याएं आई हैं। विशेष रूप से एक कंप्यूटर ने बुधवार को अचानक काम करना बंद कर दिया। इससे स्विट्जरलैंड के दो प्रमुख हवाई अड्डों पर टेक-ऑफ और लैंडिंग को रोका गया। विमानन अधिकारियों को अगली सूचना तक स्विस हवाई क्षेत्र को बंद रखने को कहा गया है। एयर नेविगेशन सर्विस प्रोवाइडर ने कहा, आज सुबह तकनीकी खराबी के कारण स्विस एयरस्पेस को सुरक्षा कारणों से ट्रैफिक के लिए बंद कर दिया गया है। एयरस्पेस अगले नोटिस तक बंद रहेगा।

बयान में कहा गया, स्काईगाइड जिनेवा और ज्यूरिख हवाई अड्डों पर अपने ग्राहकों, भागीदारों और यात्रियों के लिए इस घटना और इसके परिणामों के लिए खेद व्यक्त करता है। हम तकनीकी खामी को ठीक करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। ज्यूरिख एयरपोर्ट के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने भी सभी उड़ान और लैंडिंग रोक दी है। स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे के तुरंत बाद हॉल्ट की घोषणा की गई।

'सिवेरोदोनेत्स्क' के 80 फीसदी हिस्से पर रूस का कब्जा, शहर में अब भी लड़ाई जारी

लवीव (ईएमएस)। रूसी सैनिकों ने पूर्वी यूक्रेन में भीषण लड़ाई के गवाह सिवेरोदोनेत्स्क के लगभग 80 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर लिया है। शहर से बाहर जाने वाले सभी तीन पुलों को नष्ट कर दिया है, लेकिन यूक्रेनी सेना के अधिकारी अभी भी घायलों को निकालने की कोशिशों में जुटे हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्वी लुहांस्क क्षेत्र के गवर्नर सरहेई हैदई ने कहा कि सिवेरोदोनेत्स्क से अब बड़ी संख्या में लोगों की एक साथ निकासी संभव नहीं है, क्योंकि शहर में लगातार गोलाबारी और लड़ाई जारी है। उन्होंने बताया कि रूस द्वारा भारी गोलाबारी और 'स्कॉर्चड अर्थ मेथड' (दुश्मन के लिए फायदेमंद हर चीज को नष्ट करने की रणनीति) के इस्तेमाल ने यूक्रेनी सैनिकों को शहर के बाहरी औद्योगिक क्षेत्र में धकेल दिया है। हैदई ने बताया कि रूसी बलों ने फिलहाल रणनीतिक लिहाज से अहम इस शहर को ब्लॉक नहीं किया है।

उन्होंने कहा अभी भी घायलों को निकालने और यूक्रेनी सेना व स्थानीय निवासियों के बीच संचार का अवसर मौजूद है। हैदई के मुताबिक, युद्ध से पहले सिवेरोदोनेत्स्क की आबादी एक लाख के करीब थी, लेकिन अब वहां लगभग 12,000 लोगों के होने का अनुमान है। उन्होंने बताया कि 500 से ज्यादा नागरिकों ने अजोत रासायनिक संयंत्र में शरण ले रखी है, जहां पर रूसी बलों द्वारा भीषण गोलाबारी की जा रही है।

हैदई के अनुसार, सोमवार को लुहांस्क क्षेत्र से कुल 70 नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया था। इस बीच, एक रूसी सैन्य अधिकारी ने कहा कि सिवेरोदोनेत्स्क के अजोत रासायनिक संयंत्र से नागरिकों की निकासी के लिए बुधवार को एक मानवीय गलियारा खोला जाएगा। कर्नल जनरल मिखाइल मिजिन्त्सेव ने बताया अजोत रासायनिक संयंत्र से निकाले गए नागरिकों को 60 किलोमीटर दूर उत्तर में स्थित स्वेतोवो शहर ले जाया जाएगा, जो रूसी बलों और अलगाववादियों के नियंत्रण में है।

दलहनी खेती पर भारी पड़ेगी नीतिगत खामियां

- खुले बाजार में चना का दाम एमएसपी के मुकाबले 800 रुपए नीचे

नई दिल्ली (ईएमएस)। दलहनी फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार जहां कई तरह की सहूलियतें दे रही है वहीं उचित मूल्य दिलाने की नीतियों में खामियों से योजना को धक्का लग सकता है। खुले बाजार में प्रमुख फसल चना का दाम एमएसपी के मुकाबले 800 रुपए नीचे चल रहा है। मसूर को छोड़ बाकी दलहनी फसलों के मूल्य संतोषजनक नहीं हैं। दलहनी फसलों के कुल उत्पादन में चना की हिस्सेदारी लगभग 50 फीसद है। सरकारी एजेंसी की खरीद बिक्री नीति के चलते सिर्फ मुट्ठीभर किसानों को इसका लाभ मिल पा रहा है। दीर्घकालिक नीति के अभाव में दालों में आत्मनिर्भरता का दावा विफल हो सकता है। दरअसल, सरकारी एजेंसी नैफेड पर नौ महीने के भीतर अपना स्टॉक खाली करने का दबाव रहता है। उसे बफर स्टॉक को बेचना पड़ता है। एजेंसी रोजाना टेंडर जारी करती थी, जिसे बुधवार से सप्ताह में तीन दिन कर दिया गया है। एजेंसी की इस कार्य प्रणाली से दाल की मंडियों में कीमतें और नीचे जा रही हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक फसल वर्ष 2021-22 में कुल 139 लाख टन चना का उत्पादन हुआ है।

सरकारी एजेंसी नैफेड के पास कुल 30 लाख टन का बफर स्टॉक है। इसमें सात लाख टन पुराना चना भी शामिल है। यानी केवल 17 फीसद स्टॉक की खरीद ही नैफेड ने की है और 83 फीसद चना खुले बाजार में बिका है। मध्य प्रदेश की मंडियों से जुड़े एक व्यापारी का कहना है कि खुले बाजार में नैफेड के लगातार सक्रिय रहने से कीमतें लगातार नीचे जा रही हैं। चना का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5230 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि खुले बाजार में चना 800 रुपये प्रति क्विंटल नीचे बोला जा रहा है। इसकी देखादेखी 6000 रुपए प्रति क्विंटल वाली मटर में 4000 रुपए की ?गिरावट आई है। खुले बाजार में दालों की कीमतों में गिरावट से दलहन किसानों का उत्साह घट सकता है। सरकार की मौजूदा नीति तात्कालिक है, जो दलहनी फसलों की खेती की राह का रोड़ा बन सकती है।

एफटीएफ की 'ग्रे' सूची से बाहर निकलने के लिए पाकिस्तान ने शुरू किए कूटनीतिक प्रयास

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान ने विश्व स्तर पर धनशोधन तथा आतंकवादी वित्तपोषण के खतरों से निपटने वाले 'वित्तीय कार्रवाई कार्यबल' (एफएटीएफ) की 'ग्रे' सूची से बाहर निकलने के लिए व्यापक स्तर पर कूटनीतिक प्रयास शुरू कर दिए हैं। पाकिस्तान, धन शोधन पर रोक लगाने में विफल रहने और आतंकवाद वित्तपोषण के कारण पेरिस स्थित 'वित्तीय कार्रवाई कार्यबल' (एफएटीएफ) की 'ग्रे' सूची में 2018 से है।

उसे अक्टूबर 2019 तक पूरा करने के लिए एक कार्ययोजना दी गई थी। हालांकि, एफएटीएफ के आदेशों का पालन करने में विफल रहने के कारण देश अब भी इस सूची में बना हुआ है। पाकिस्तान को सूची से बाहर निकालने के लिए तुर्की, चीन और मलेशिया के वोट की जरूरत है और तीनों देशों ने पाकिस्तानी अधिकारियों को इसके लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है। 'द न्यूज इंटरनेशनल' ने मंगलवार को आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि सूची में पाकिस्तान की स्थिति पर निर्णय जर्मनी की राजधानी बर्लिन में 14 से 17 जून के बीच हो रही बैठक के दौरान किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी और विदेश राज्य मंत्री हिना रब्बानी खार ने अलग-अलग देशों की यात्रा के दौरान एफएटीएफ पर अहम चर्चा की। खबर के अनुसार, पाकिस्तान ने दंडात्मक कार्रवाई के अलावा, एफएटीएफ कार्य योजना के लगभग सभी बिंदुओं को लागू किया है और उसने मुकदमे भी चलाए तथा सभी प्रासंगिक कानूनी संशोधन भी किए हैं। बर्लिन में एफएटीएफ की बैठक 17 जून तक चलेगी और बैठक के आखिरी दिन फोरम तय करेगा कि किन देशों को अपनी 'काली' और 'ग्रे' सूची में रखना है।

पाकिस्तान के 'ग्रे' सूची में बने रहने से उसके लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और यूरोपीय संघ से वित्तीय सहायता प्राप्त करना मुश्किल होता जा रहा है, जिससे देश के लिए समस्याएं और बढ़ रही हैं। पाकिस्तान अब तक चीन, तुर्की और मलेशिया जैसे करीबी सहयोगियों की मदद से 'काली' सूची में शामिल होने से बचता रहा है। एफएटीएफ एक अंतर-सरकार संस्था है। इसकी स्थापना 1989 में धन शोधन, आतंकवाद वित्त पोषण और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की अखंडता के लिए जो खतरे हैं, उनसे निपटने के लिए की गई थी। एफएटीएफ के वर्तमान में दो क्षेत्रीय संगठन यूरोपीय आयोग और खाड़ी सहयोग परिषद सहित 39 सदस्य हैं। भारत, एफएटीएफ परामर्श और उसके एशिया प्रशांत समूह का सदस्य है।

वैश्विक स्तर पर मंकीपॉक्स का बढ़ता प्रकोप चिंताजनक : डब्ल्यूएचओ प्रमुख

जिनेवा (ईएमएस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम गेब्रेयेसस ने कहा कि मंकीपॉक्स का वैश्विक प्रकोप 'स्पष्ट रूप से असामान्य और चिंताजनक' है। गेब्रेयेसस ने आकलन करने के लिए अगले सप्ताह एक आपातकालीन समिति की बैठक बुलाने की घोषणा की है कि क्या यह प्रकोप अंतरराष्ट्रीय चिंता वाले एक जनस्वास्थ्य आपातकाल की तरफ इशारा करता है।

घेब्रेयसस ने बताया कि इस साल अब तक डब्ल्यूएचओ को 39 देशों से मंकीपॉक्स के 1,600 से अधिक पुष्ट और लगभग 1,500 संदिग्ध मामलों की जानकारी दी गई है, जिनमें सात वे देश शामिल हैं, जहां मंकीपॉक्स के मामले वर्षों से सामने आते रहे हैं, जबकि 32 नए प्रभावित देश हैं। इसके अलावा, इस साल अब तक पहले से प्रभावित देशों से 72 लोगों की मौत की सूचना मिली है। वहीं, नए प्रभावित देशों में अब तक किसी की मौत नहीं हुई है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ब्राजील से मंकीपॉक्स से संबंधित मौत की सूचना को सत्यापित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, ''मंकीपॉक्स का वैश्विक प्रकोप स्पष्ट रूप से असामान्य और चिंताजनक है। इस कारण है कि मैंने अगले सप्ताह अंतराराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों के तहत आपातकालीन समिति की बैठक बुलाने का फैसला किया है, ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या यह प्रकोप अंतरराष्ट्रीय चिंता वाले एक जनस्वास्थ्य आपातकाल की तरफ इशारा करता है।

रूस अब अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों में खुद ही बढेगा आगे

-यूक्रेन यूद्ध के कारण बदल रहे अंतरिक्ष मामलों में भी समीकरण

मास्को (ईएमएस)। पश्चिमी देशों से सहयोग छूटने के बाद रूस ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों में खुद ही आगे बढ़ने का इरादा कर लिया है। हाल ही में रूसी स्पेस एजेंसी रोसकोसमोस के प्रमुख दिमित्री रोगोजिन ने कहा है कि उनका देश जर्मन सैटेलाइट को खुद चलाएगा जिसे दोनों देशों के संयुक्त अभियान के तहत अंतरिक्ष में भेजा गया था।पिछले तीन महीने से भी ज्यादा समय से रूस यूरोप और पश्चिमी देशों के बीच अंतरिक्ष सहयोग बंद है। इससे प्रभावित होने वाले अभियानों में जर्मनी का इरोसिटा सैटेलाइट भी जिसे रूस के एआरटी-एक्ससी टेलीस्कोप के साथ मिल कर काम करना था।

इस अभियान के जरिए वैज्ञानिक गहरे अंतरिक्ष में मौजूद सुपरमासिव ब्लैक होल का अध्ययन करने वाले थे। लेकिन रूस यूक्रेन युद्ध के बाद से यह अभियान बंद है। यह एक्स रे टेलीस्कोप रूस और जर्मनी का संयुक्त अभियान था, लेकिन यूरोपीय स्पेस एजेंसी के रूस के बाइकोनोर प्रक्षेपण केंद्र से अपना स्टाफ हटाने से यह बंद है। रोगोजिन ने एक टेलीविजन इंटरव्यू में कहा कि रूसी विशेषज्ञों का इस बात पर जोर है कि उन्हें अपना काम जारी रखना चाहिए। रोगोजिन ने कहा कि रूसी विशेषज्ञ टेलीस्कोप को बंद रखने की जर्मनी की मांग के बाद भी इसे चालू करना चाहते हैं और उन्होंने रूस के क्व्यक्क्%व्क्षु— आरजी सिस्टम के इस जर्मन टेलीस्कोप का काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं जिससे रूस वह रूसी टेलीस्कोप के साथ काम कर सके।

इस पर अंतिम फैसला जल्दी ही लिया जा सकता है।रूसी स्पेस एजेंसी प्रमुख ने कहा कि वो लोग, जिन्होंने टेलीस्कोप बंद करने का फैसला लिया है, उन्होंने मानवता के लिए किए जा रहे इस शोध को रोकने का कोई भी नैतिक अधिकार नहीं हैं, वह भी सिर्फ इसलिए कि हमारे दुश्मनों के सोच फासीवादी सोच के करीब है। रोगोजिन ने अपने देश के यूक्रेन हमले को पूरी तरह से सही और उचित बताया। इसी बीच रूस के अंदर और बाहर दोनों के विशेषज्ञों ने ही चेतावनी दी है कि इस टेलीस्कोप को रूस को अकेले ही शुरू नहीं करना चाहिए।

इससे इस अभियान को नुकसान पहुंच सकता है और अगर इसे शुरू करना ही है तो जर्मनी की टीम से सलाह पर ही करना चाहिए। रूसी खगोलभौतिकविद राशिद सुनयाएव का कहना है कि ऐसे हालात में एकतरफा कदम लोगों के बीच और ज्यादा अविश्वास ही पैदा करेगा। रूसी- जर्मन का यह संयुक्त प्रयास स्कैक्ट्रम रोएंटजन-गामा अभियान है जिसमें ईरोसिटा प्राथमिक उपकरण है। इस अभियान को रूस के बाइकोनोर से 13 जुलाई 2019 को प्रक्षेपित किया था। इस अभियान का लक्ष्य 50-100 हजार गैलेक्सी समूहों के गर्म अंतरगैलेक्सी माध्यम की और साथ ही पास की गैलेक्सी में सुपरमासिव ब्लैक होल की पहचान करना है। रोगिजिन पहले ही कह चुके हैं कि यूक्रेन युद्ध के कारण लगे प्रतिबंधों के कारण अब यूरोप से सहयोग लेना असंभव हो गया है।

यूरोप ने बीते मार्च में ही रूस के साथ संयुक्त एक्सोमार्स अभियान को रद्द कर दिया और तब से वह अपने रोवर अभियान के लिए बेहतर विकल्प की तलाश में लगा है। वहीं रूसी स्पेस एजेंसी ने भी फ्रेंच गुयाना के यूरोपीय स्पेस पोर्ट कोउरोउ से अपना स्टाफ वापस बुला लिया है। मालूम हो कि रूस यूक्रेन युद्ध ने ना केवल दुनिया की राजनीति के समीकरण बदले हैं, बल्कि अंतरिक्ष मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर भी समीकरण बदल रहे हैं।

अमेरिका में 'गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज' पहल की शुरुआत

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने 'गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज पहल की शुरूआत की है, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर के इतिहास तथा विरासत को रेखांकित करेगी। अपनी तरह की यह पहली पहल शुरू हुई। पहल नागरिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समावेश को आगे बढ़ाने के लिए भारत और अमेरिका के 20 उभरते युवा नागरिक नेताओं को एक साथ लाएगी। विदेश मंत्रालय के 'ब्यूरो ऑफ एजुकेशनल एंड कल्चरल अफेयर्स' के अनुसार, पहल के तहत एक सप्ताह का ऑनलाइन कार्यक्रम और ओरिएंटेशन होगा, जिसके बाद सभी 20 युवा नेता अलबामा एंड एम यूनिवर्सिटी, हिस्टोरिकल ब्लैक कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी (एचबीसीयू) में दो सप्ताह के एक शैक्षणिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले हैं। कक्षा में ज्ञान हासिल करने और चर्चा के अलावा, प्रतिभागी मोंटगोमरी, सेल्मा तथा अलबामा में बर्मिंघम, टेनिस में मेम्फिस और जॉर्जिया में अटलांटा में नागरिक अधिकार साइट का दौरा करेंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जनवरी 2023 में भारतीय तथा अमेरिकी प्रतिभागी महत्वपूर्ण स्थलों और संगठनों का दौरा करने के लिए भारत में फिर से मिलेंगे।

गुरु ग्रह के गैसीय आवरण में पदार्थों का समान वितरण नहीं

-अध्ययन में वैज्ञानिकों को मिली अहम जानकारी

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी एजेंसी नासा का जूनो अंतरिक्ष यान के अवलोकनों और कई संख्यात्मक प्रतिमानों के आधार पर पता लगाया है कि गुरु ग्रह के गैसीय आवरण में पदार्थों का समान वितरण नहीं है। इस अध्ययन से गुरु की उत्पत्ति के बारे में नई जानकारी भी निकाली। शोधकर्ताओं ने गैसीय ग्रह गुरु में पदार्थों का अनियमित वितरण की अहम जानकारी निकाली है। उन्होंने पाया है कि गुरु के आंतरिक हिस्से में बाहरी हिस्से की तुलना में धातु की मात्रा कहीं ज्यादा है। इस हिस्से का भार पृथ्वी के भार से 11 से 30 गुना ज्यादा है जो गुरु ग्रह के कुल भार का करीब 3 से 9 प्रतिशत हिस्सा है। इतनी धात्विकता यह नतीजा निकालने के लिए पर्याप्त है कि एक किलोमीटर के आकार टुकड़ों या ग्रहाणुओं ने गुरु ग्रह के निर्माण में भूमिका जरूर निभाई होगी।

गुरु के बाहर दिखाई देने वाली परत के नीचे का यह आवरण आसानी से दिखाई नहीं देता है। फिर भी जूनो ने गुरुत्व खिंचाव का संवेदन अलग अलग जगहों से किया जिससे खगोलविदों को गैसीय ग्रह की आंतरिक संरचना की जानकारी मिल सकी और जिसका अंदाजा सतह से भी नहीं हो पाता है। शोध में यह भी पता चला कि जैसे पहले समझा जाता था गुरु ग्रह का गैसीय आवरण समान रूप से वितरित नहीं है। शोधकर्ताओं ने निष्कर्ष निकाला कि गुरु में जैसे जैसे हम केंद्र की ओर जाएंगे हाइड्रोजन और हीलियम से भी भारी तत्वों की मात्रा में इजाफा होता जाएगा। इस नतीजे पर पहुंचने के लिए टीम ने बहुत से सैद्धांतिक प्रतिमान बनाए और उन्हें जूनों के अवलोकनों की कसौटियों पर कसते हुए ग्रह के धातु वितरण का अध्ययन किया। शोधकर्ताओं को इसी वितरणसे गुरु ग्रह के निर्माण की भी जानकारी मिली। धातु का वितरण आंतरिक हिस्सों में ज्यादा है और बाहरी हिस्से में कम है।

उनके मुताबिक गुरु ग्रह के निर्माण के दौरान दो प्रणालियों से धातुएं उसमें पहुंची। एक तो छोटे पत्थरों से की अभिवृद्धि प्रक्रिया से और दूसरे विशाल ग्रहाणुओं से। जब नवजात ग्रह बड़े होते हैं तो वे छोटे पत्थरों क फेंकना शुरू कर देते हैं। लेकिन गुरु ग्रह पर इस वजह से धातुओं का सम्पन्नता संभव नहीं है। जब ग्रहाणुओं को रोकना बहुत मुश्किल होता है इसलिए उनकी जरूर इसमें कोई भूमिका होती है। अंदर के हिस्सों में ज्यादा धातु होने का मतलब है कि ऊंचाई के साथ प्रचुरता में कमी आ रही है। पहले सोचा जा रहा था कि गुरु ग्रह में संवहन की प्रक्रिया चलती है जिससे यहां पदार्थों का समान मिश्रण और वितरण होता है। लेकिन इस अध्ययन के नतीजे कुछ और ही बता रहे है।

यह पहली बार है कि गैसीय आवरण के पदार्थों के वितरण का इस तरह का अध्ययन क्षैतिज रूप से ना हो कर गहराई के लिहाज से किया जा सका है। मालूम हो कि सौरमंडल का हर ग्रह अपने अंदर कई रहस्यों को समेटे हुए है जिन्हें जानने का प्रयास खगोलविद काफी समय से कर रहे हैं। साल 2016 में नासा का जूनो अंतरिक्ष यान गुरु ग्रह के पास तक पहुंचा था जिसने उसकी नजदीक की तस्वीरें भेजी थीं। इन्हीं तस्वीरों में गुरु ग्रह के मशहूर लाल धब्बे के अलावा जगह जगह फैले हुए तूफानों का ऐसा नजारा दिखाई दिया जो किसी रहस्यमयी पेंटिंग की तरह लगता था।

मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक कर 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप दिया

- राज्य स्तरीय योग दिवस समारोह अहमदाबाद स्थित साबरमती रिवरंट पर होगा, 7500 से अधिक नागरिक बनेंगे योगमय

- प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी के प्रेरणा संदेश का सीधा प्रसारण किया जाएगा

गांधीनगर (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में योग दिवस कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने के लिए बुधवार को गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की मुख्य थीम 'योग फ़ॉर ह्यूमैनिटी (मानवता के लिए योग)' रखी गई है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तर से लेकर ज़िला, तहसील एवं ग्रामीण स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में लगभग सवा करोड़ लोगों को योगमय बना कर इस दिन को मनाने का राज्य सरकार ने सुदृढ़ आयोजन किया है। मुख्यमंत्री ने बैठक में इस समग्र आयोजन की गहन समीक्षा तथा सम्बदध प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, पंचायत, राजस्व, स्वास्थ्य तथा मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यटन, प्राथमिक शिक्षा और प्रधान खेल-कूद विभागों के प्रधान सचिव, गुजरात योग बोर्ड के अध्यक्ष शीशपाल और स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ़ गुजरात (गुजरात खेल प्राधिकरण) के सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारी भी सहभागी हुए।

योग दिवस पर राज्य स्तरीय मुख्य समारोह अहमदाबाद स्थित साबरमती रिवरंट पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में आयोजित होने वाला है। इस अवसर पर केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड और राज्य के खेल-कूद राज्य मंत्री हर्ष संघवी भी उपस्थित रहेंगे। लगभग 7500 से अधिक लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व योग दिवस के कार्यक्रमों में वर्चुअल उपस्थित रह कर प्रेरणादायी संबोधन करेंगे, जिसका सीधा प्रसारण योग दिवस के सभी समारोह स्थलों पर किया जाएगा। बैठक में प्रधान खेल-कूद सचिव श्री अश्विनी कुमार ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 'आज़ादी का अमृत महोत्सव (स्वतंत्रता के 75 वर्ष)' के अंतर्गत इस वर्ष विश्व योग दिवस गुजरात में कुल 75 आइकोनिक स्थलों पर भी मनाया जाएगा। राज्य में मोढेरा सूर्य मंदिर और अंबाजी मंदिर सहित 17 धार्मिक स्थलों, दादा हरि की वाव और दांडी स्मारक सहित 18 ऐतिहासिक स्थलों, कच्छ के रण सहित 22 पर्यटन स्थलों, मानगढ हिल तथा सापुतारा हिल सहित 17 प्राकृतिक सौंदर्य स्थलों और साइंस सिटी में इस दिन सामूहिक योग साधना कार्यक्रम होने वाले हैं। राज्य के अन्य महानगरों भावनगर में जवाहर मैदान, जामनगर में रणमल तालाब, राजकोट में रेसकोर्स मैदान, वडोदरा में लक्ष्मीविलास पैलेस तथा सूरत में वनीता आश्रम में योग दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष योग को पर्यटन के साथ जोड़ कर राज्य के पर्यटन को भी गति देने का आयोजन राज्य सरकार ने किया है। राज्य में ज़िला, तहसील, नगर पालिका स्तरों पर और स्कूलों, आईटीआई, स्वास्थ्य केन्द्रों, पुलिस थानों एवं जेलों में भी योग दिवस मनाया जाएगा। हर ज़िला स्तरीय समारोह में हर ज़िले में 3000 लोग भाग लेंगे। इस प्रकार ज़िला स्तरीय योग दिवस समारोहों में 99000 लोग भाग लेंगे।

अहमदाबाद के शांतिग्राम अदाणी, कच्छ के सफ़ेद रण, मेहसाणा के धरोई बांध और नर्मदा स्थित स्टैच्यू ऑफ़ यूनिट आदि आइकॉनिक स्थलों पर ज़िला स्तरीय योग दिवस समारोह आयोजित होंगे। तहसील स्तरीय योग दिवस समारोहों में हर तहसील में 500 सहित लगभग 1,25,00 लोग हिस्सा लेंगे। हर गाँव में 25 लोग योग दिस समारोह में हिस्सा लेंगे। इस प्रकार ग्रामीण स्तर पर 4,55,650 लोग योग दिवस समारोहों से जुड़ेंगे। द्वारका स्थित शिवराजपुर बीच और कच्छ के छोटे रण; इन दो आइकॉनिक स्थलों पर तहसील स्तरीय योग दिवस समारोह आयोजित होगा। राज्य के 45,000 प्राथमिक विद्यालयों के 84,65,000 विद्यार्थी और 3,23,000 शिक्षक योग दिवस समारोहों में भाग लेंगे। इसी प्रकार 12,500 माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 28,43,000 विद्यार्थी और 89,000 शिक्षक योग दिवस मनाएँगे। 2600 यूनिवर्सिटियों-कॉलेजों के 16,14,000 विद्यार्थी तथा 60,000 अध्यापक योग दिवस समारोहों में सहभागी होंगे। राज्य के 287 आईटीआई में से प्रत्येक आईटीआई के 100 यानि कुल 28,700 विद्यार्थी योग दिवस समारोह में शामिल होंगे। राज्य के 1477 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और 6500 उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर कुल 12,70,400 लोग योग करेंगे। इन समग्र कार्यक्रमों के आयोजनों में राज्यव्यापी सुचारु समन्वय को लेकर ज़िला स्तर पर कलेक्टरों और महानगर स्तर पर महानगर पालिका आयुक्तों द्वारा स्थानीय स्वैच्छिक संगठनों एवं सामाजिक संगठनों के साथ बैठकें की जा रही हैं।

गुजरात विधानसभा चुनाव निकट देख हरकत में आए पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव की राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं भाजपा, कांग्रेस के अलावा अबकी बार आम आदमी पार्टी के अलावा इस बार असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम भी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं दूसरी ओर विधानसभा चुनाव निकट गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला भी एक्टिव हो गए हैं और कांग्रेस से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं कांग्रेस में शामिल होने के लिए वाघेला काफी समय तक भरतसिंह सोलंकी के संपर्क में रहे थे और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मिलने के भी प्रयास किए थे हांलाकि भरतसिंह सोलंकी ने अब राजनीति से अस्थायी ब्रेक लिया हैं वाघेला अब गुजरात कांग्रेस के अन्य नेताओं से बातचीत कर रहे हैं बता दें कि पिछले साल राज्यसभा चुनाव के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद शंकरसिंह वाघेला ने पार्टी छोड़ दी थी जिसके बाद से प्रजा शक्ति मोर्चा नामक एक संगठन चला रहे हैं जानकारी है कि वाघेला भाजपा के कई विधायकों के भी संपर्क में हैं जिन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था वाघेला का कहना है कि अगर उन्हें कांग्रेस में शामिल किया जाता है तो वह कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए विधायकों को पार्टी में वापस लाएंगें फिलहाल वाघेला की कांग्रेस से जुड़ने की पूरी तैयारी है, लेकिन प्रदेश नेताओं का कहना है कि इसका फैसला पार्टी हाईकमांड को करना हैं

नहर में डूब रहे मुस्लिम युवक को बचाने के प्रयास में हिन्दू युवक ने भी गंवाई जान

कच्छ (ईएमएस) देश के कई हिस्सों में कुछ उपद्रवी तत्व सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं कच्छ से हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे की मिसाल कायम करने वाली एक घटना सामने आई हैं जिसमें एक हिन्दू युवक ने नहर में डूब रहे मुस्लिम युवक को बचाने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दीं हांलाकि इसमें वह सफल नहीं हुआ और दोनों की मौत हो गईं घटना कच्छ जिले के भचाऊ के निकट नर्मदा नहर की हैं तीन दिन पहले भचाऊ के निकट नर्मदा नहर में डूब रहे एक मुस्लिम युवक को बचाने के लिए 21 वर्षीय जितेन्द्रसिंह जाडेजा ने पानी में छलांग लगा दीं क्षित्रिय युवक ने मुस्लिम युवक को बचाने के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन वह सफल नहीं हुआं अंतत जितेन्द्रसिंह समेत मुस्लिम युवक की पानी में डूबकर मौत हो गईं क्षत्रिय कुल के जन्मे जितेन्द्रसिंह ने मानवता के नाते दूसरे की जान बचाने के लिए अपने प्राणों की आहूति दे दीं

अहमदाबाद मंडल पर ''अंतरराष्ट्रीय योग दिवस'' का शुभारंभ

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर ''अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस'' की ओर बढ़ते कदम के उपलक्ष्य में आज दिनांक 15 जून 2022 से मंडल के न्यू रेलवे कॉलोनी साबरमती, स्थित सामुदायिक भवन से शुभारंभ हुआ। जिसमें 150 से अधिक रेल अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा योगाभ्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान योग गुरु द्वारा योग के विभिन्न योगासनों का निर्देशन किया गया और वर्तमान समय की भागदौड़ तनावपूर्ण जिंदगी में योग का उपयोग और महत्व समझाया गया। मंडल रेल प्रवक्ता अहमदाबाद ने जानकारी देते हुए बताया कि योग हमारा फिटनेस का गुरु है तथा यह हमारे शरीर और मस्तिष्क में सामंजस्य स्थापित करता है। हमें प्रतिदिन योगाभ्यास करना चाहिए, जिससे हमारा चित शांत होता है और यह आज की व्यस्त जीवनशैली में बेहद जरूरी है। योग को नियमित रूप से अपने जीवन में अपनाकर अपने शरीर को फिट एवं स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। सहायक कार्मिक अधिकारी श्री वैभव गुप्ता एवं वेलफ़ेयर टीम द्वारा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

અમદાવાદ મ્યુનિસિપલ કોર્પોરેશનની સામાન્ય માસિક સભા શુક્રવાર તા.૨૪-૦૬-૨૦૨૨ ના રોજ સાંજના ૦૪-૦૦ વાગે મ્યુ.કમ્પાઉન્ડમાં છઠ્ઠા માળે આવેલ "મહાત્મા ગાંધી હોલ" માં નીચેના કામોનો વિચાર કરવા સારૂ મળશે.

પ્રોસીડિંગની બહાલી

(૧) અ.મ્યુ.કોર્પો.ની પાછલી મિટીંગના પ્રોસીડીંગની મિનીટસને કોર્પો.ની બહાલી મળવા બાબત.

પ્રશ્નોત્તરી

(૨)થી(૩) પ્રશ્નોત્તરી

સ્ટેન્ડિંગ કમિટીના કામો

(૪)થી(૫) અ.મ્યુ.કોર્પો.દ્વારા યોજાતાં વિવિધ ફંકશન / ઈવેન્ટ માટે (૪) જરૂરી મંડપ, ડેકોરેશન, ઈવેન્ટ રીલેટેડ ઈન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર અને સંલગ્ન કામગીરી માટે તથા (૫) જરૂરી પ્રિન્ટીંગ-ફિક્ષીંગ-ઇન્સ્ટોલીંગ એન્ડ એલાઇડ વર્ક્સ ઓફ હોર્ડિંગ-બેનર્સ-બેકડ્રોપ્સ વિગેરે માટે એજન્સીને સોપેલ કામગીરીની મુદત લંબાવવાની તેમજ ખર્ચની (૬) અ.મ્યુ.કોર્પો. દ્વારા કરવામાં આવતાં રોડ વર્કને લગતી મુખ્ય આઇટમો માટે ગુજરાત સરકારશ્રીના રોડ એન્ડ બીલ્ડિંગ્સ વિભાગના એસ.ઓ.આર. રેટનો રેફરન્સ લઇ તૈયાર કરેલ એનાલીસીસ આધારિત રેટની (૭) સાઉથ બોપલ ટી.પી.સ્કીમ નં.૩, એફ.પી.નં.૨૫૫/૧ ખાતે ગાર્ડનમાં વોલીબોલ તથા બાસ્કેટબોલ કોર્ટ પી.પી.પી. ધોરણે કરાર આધારીત ચલાવવા આપવા ભાવ મંગાવવા, સભ્ય ફી રાખવાની વિગેરે (૮) સમૂહલગ્ન પ્રસંગે રામોલ, જોગણી માતાના મંદિર ખાતે મ્યુ.સુવિધાઓ આપવાની (૯) બાલવર્ગના આયોજન પ્રસંગે નવરંગ સ્કૂલ નારણપુરા ખાતે મો.ટોયલેટવાન ફાળવવાની (૧૦)થી(૧૧) ધાર્મિક પ્રસંગે (૧૦) શારદા સોસાયટી પાસેનો મ્યુ.પ્લોટ તથા (૧૧) રૂપલ પાર્કનું મેદાન મ્યુ.સુવિધાઓ સહિત ફાળવવાની (૧૨) સમૂહલગ્ન પ્રસંગે ગુ.હા.બોર્ડ નૂતન મીલ પાસેના મેદાન ખાતે મ્યુ.સુવિધાઓ આપવાની (૧૩) ધાર્મિક પ્રસંગે અમીકુંજ ટેનામેન્ટ, નવા નરોડા ખાતે મો.ટોયલેટવાન ફાળવવાની (૧૪) નારણપુરા ખાતે નિર્માણાધિન ઑલમ્પિક કક્ષાના સ્પોર્ટસ કોમ્પ્લેક્ષના ખાતમુહૂર્ત કાર્યક્રમના આયોજન માટેની કામગીરીઓ કરાવવાની, ખર્ચની તથા આનુષાંગિક કાર્યવાહી કરવાની (૧૫) ધાર્મિક પ્રસંગે મોજે રામોલ ખાતે ટી.પી.૧૦૭, ફા.પ્લોટ નં.૧૬૬ વાળો મ્યુ.પ્લોટ મો.ટોયલેટવાન સહિત ફાળવવાની (૧૬) નેશનલ ચેમ્પિયનના આયોજન પ્રસંગે અંબુભાઇ પુરાણી વ્યાયામ વિદ્યાલય કાંકરિયાનું મેદાન ફાળવવાની (૧૭) મૃત પશુ-પક્ષીઓના નિકાલ માટે શ્રી દાનેવ ફાઉન્ડેશન, અમદાવાદને એનીમલ ડેડબોડી વાન ફાળવવાની (૧૮) ગોતા વોર્ડમાં આવેલ ટી.પી. સ્કીમ નં. ૩૨ (ગોતા)ના પ્લોટ નં. ૧૬૬ પૈકીની જમીન પોલીસ ચોકી બનાવવા માટે તદ્દન હંગામી ધોરણે ભાડેથી આપવાની (૧૯) થલતેજ વોર્ડમાં ટી.પી. ૨૧૬, ફા.પ્લોટ નં.૧૨૨/૧ ના પ્લોટમાં "એ.શ્રીધર ઇન્ફાકોન એલ.એલ.પી." સંસ્થા દ્વારા કોમ્યુનિટી હેલ્થ સેન્ટર બનાવવા તથા નામકરણ કરવાની (૨૦) અમદાવાદ શહેરની નજીકમાં આવેલા ઔડા હસ્તકનાં ગામોમાંથી કચરાનું વહન કરીને કચરાના નિકાલની પ્રોસેસ કરાવવાનો તમામ ખર્ચ ઔડા દ્વારા ભોગવવામાં આવે તે મુજબની વ્યવસ્થા ગોઠવવાની આનુષંગીક કાર્યવાહીની (૨૧) GIHED અમદાવાદના સભ્ય અને પાર્શ્વનાથ કોર્પોરેશનના પ્રતિનિધિ શ્રી ઋષભ પટેલ દ્વારા પોતાના સ્વખર્ચે થલતેજ સ્મશાનગૃહ ખાતે જરૂરી વધારાની સુવિધા, મરામતની કામગીરી કરવાની (૨૨) પિરાણા ખાતે હાલમાં ચાલુ બાયોમાઈનીંગ પ્રોસેસમાંથી નીકળતા આરડીએફના નિકાલ માટે એજન્સીને કામગીરી સોંપવા સહીતની (૨૩) સ્ટે.ક.ઠ.નં.૨૬૭ તા.૦૨-૦૬-૨૦૨૨માં જણાવેલ વિગતે અગાઉના સ્ટે.ક.ઠ.નં.૫૬ તા.૧૩-૦૪-૨૦૨૨ તથા અ.મ્યુ.કો.ઠ.નં.૬૯ તા.૨૫-૦૪-૨૦૨૨ અંગે પુનઃવિચારણા કરવાની વિગેરે (૨૪) ધાર્મિક કાર્યક્રમના પ્રચાર અર્થે હોર્ડીંગ્સ મુકવા દેવાની (૨૫) યોગ શિબિર કાર્યક્રમના આયોજન પ્રસંગે ટી.પી. નિકોલ રખિયાલ-૧,ફા.પ્લોટ નં.૨૦૦ ખાતે આવેલ મ્યુ.પ્લોટ ફાળવવાની (૨૬) ધાર્મિક પ્રસંગે ટી.પી. સ્કીમ નં.૨૧૩ (બોડકદેવ), ફા.પ્લોટ નં.૧૩૬ વાળો મ્યુ.પ્લોટ મ્યુ.સુવિધાઓ સહિત ફાળવવાની (૨૭) BODYLINE HOSPITALS, અમદાવાદ દ્વારા પરિસંવાદના આયોજનના પ્રચાર અર્થે હોર્ડીંગ્સ, મુકવા દેવાની (૨૮) આંતર રાષ્ટ્રીય યોગ દિવસ નિમિત્તે યોગ શિબિરના આયોજન પ્રસંગે ઇસનપુર ખાતે આવેલ એચ.એલ.પટેલ પાર્ટી પ્લોટ ફાળવવાની (૨૯) ધાર્મિક પ્રસંગે મો.ટોયલેટવાન ફાળવવાની (૩૦) "મહાભારત-ધ એપિક ટેલ" નાટકના પ્રચાર અર્થે હોર્ડીંગ્સ મુકવા દેવાની (૩૧) ટી.પી. સ્કીમ નં.૨૯(નારણપુરા), ફા.પ્લોટ નં.૩૫૩ વાળો પ્લોટ અગાઉ સરદાર સરોવર નર્મદા નિગમ લી.ને ભાડાપટ્ટે આપવામાં આવેલ તે પ્લોટ પોલીસ વિભાગને તબદિલ કરવા માટે 'ના વાંધા પ્રમાણપત્ર' આપવાની (૩૨) સ્ટેશન ફાયર ઓફિસરના હોદ્દા પર ફરજ બજાવતા અધિકારીઓને નાગપુર ખાતે ચાલતા ડિવિઝનલ ફાયર ઓફિસર કોર્ષમાં મોકલવાની કાયમી નીતિ નકકી થવા અને જવા દેવાની (૩૩) અ.મ્યુ.કોર્પો.નાં જુદા જુદા ઝોનમાં આવેલ ગાર્ડનોને પી.પી.પી. ધોરણે વધુ પાંચ વર્ષ સુધી જાળવણી કરવાના કામ માટે ફાળવવાની (૩૪) ઉત્તરઝોનમાં વીર સાવરકર સ્પોર્ટસ કોમ્પ્લેક્ષ ખાતેની વિવિધ રમતો, એકટીવીટીના દરોમાં ફેરફાર તથા સંચાલનના નિયમો રાખવાની વિગેરેની (૩૫) અષાઢી બીજે ભગવાન શ્રી જગન્નાથજીની રથયાત્રાના ભવ્ય આયોજન પ્રસંગે રથયાત્રાના સમગ્ર રૂટ ઉપર તમામ જરૂરી સુવિધાઓ પૂરી પાડવાની અને વ્યવસ્થા તથા ખર્ચ કરવાની (૩૬) ૧૪૫મી રથયાત્રા પૂર્વેની જળયાત્રા મહોત્સવ પ્રસંગે સાબરમતી નદીના સોમનાથ ભુદરના આરે જરૂરી વ્યવસ્થા તથા મ્યુ.સુવિધાઓ પૂરી પાડવાની (૩૭) ધાર્મિક પ્રસંગે ટી.પી. સ્કીમ નં.૨૪ (વેજલપુર) ફા.પ્લોટ.૩૦+૩૧ વાળા મ્યુ.પ્લોટ ખાતે મો.ટોયલેટવાન ફાળવવાની (૩૮) શૈક્ષણિક કર્મચારીઓના રાજય કક્ષાના ફેરબદલી કેમ્પના આયોજન પ્રસંગે સાણંદ મોડલ સ્કૂલ, સાણંદ, વિરમગામ હાઇવે, ટોલનાકા ખાતે મો.ટોયલેટવાન ફાળવવાની (૩૯) નવા વાડજ કોમ્યુનિટી હોલ સામે બેતાલીસ કડવા પાટીદાર એજ્યુકેશન ટ્રસ્ટની ખાસ મિટિંગના આયોજન પ્રસંગે મો.ટોયલેટવાન ફાળવવાની (૪૦) એન.સી.સી.ગ્રાઉન્ડ, લો ગાર્ડન ખાતે કેમ્પ-૨૦૨૨ ના આયોજન પ્રસંગે પીવાના પાણીની મ્યુ.સુવિધા આપવાની (૪૧) કોચિંગ અને કન્સલટીંગના કાર્યક્રમના આયોજનના પ્રચાર અર્થે હોર્ડીંગ્સ મુકવા દેવાની (૪૨) ધાર્મિક પ્રસંગે JAY MANGAL RESIDENCY SOCIETY, શાહીબાગ ખાતે ફાયર બ્રિગેડની મ્યુ.સુવિધા આપવાની

ટાઉન પ્લાનીંગ અને એસ્ટટ મેનેજમેન્ટ કમિટીના કામો

(૪૩) મુ.ન.ર.યો.નં.૧૫૨/જી (શીલજ) ની દરખાસ્ત રાજ્ય સરકારશ્રીમાં મંજૂરી અર્થે સાદર કરવાની (૪૪) લાંભા વોર્ડમાં મોની હોટેલનાં ખાંચા માં શ્યામ અમૃત અને ધૈર્ય રેસીડેન્સીની બાજુ માં નવા બની રહેલા ગાર્ડન નું "તુષાર દેશમુખ ગાર્ડન" નામાભિધાન કરવાની (૪૫) ઈસનપુર- વટવા રોડ પર સીતાબાગ સોસાયટીની સામે આવેલ ગાર્ડન નું "કમલ પુષ્પ ગાર્ડન" નામાભિધાન કરવાની (૪૬) મુ.ન.ર.યો.નં. ૨૯ (નારણપુરા)(બીજો ફેરફાર)માં ન.ર.અ.શ્રીની દરખાસ્તમાં સુધારાપત્રકમાં સૂચવેલ સુધારા આમેજ કરવા, ન.ર.અ.શ્રીને પરામર્શ પાઠવવાની (૪૭) વાસણા વોર્ડમાં રેઇન્સ ફ્લેટ થી મેટ્રો સુધીના રોડનું "શ્રી અમીઝરા વાસુપૂજ્ય સ્વામી માર્ગ" નામાભિધાન કરવાની (૪૮) ઓઢવ વિસ્તારના ગુરૂદ્વારા થી ગાયત્રી આશ્રમ સુધીના રોડનું "ગાયત્રી આશ્રમ રોડ" નામાભિધાન કરવાની (૪૯) ઈસ્કોન આંબલી રોડ ઉપર આવેલ દીશમાન ફાર્મા હાઉસ થી સ્પ્રીંગવેલી સર્કલ સુધી વાયા સેન્ટોસાપાર્ક વાળા નવનિર્મિત માર્ગને "સ્વ. છનાલાલ જોષી માર્ગ" નામાભિધાન કરવાની (૫૦) મુ.ન.ર.યો. નં.૧૫૫/જી (પીપળજ- સૈજપુર-ગોપાલપુર) ની દરખાસ્ત તૈયાર કરવા બાબતે રેકર્ડ ડી.આઇ.એલ.આર. વિભાગ દ્વારા પ્રમાણિત થયા બાદ મુખ્ય નગર નિયોજકશ્રી, ગુજરાત રાજ્યનો પરામર્શ મેળવવાની

રજા બાબત

(૫૧) મ્યુનિ. કાઉન્સીલરશ્રી કામિનીદેવી વિનોદકુમાર ઝાની મ્યુ.બોર્ડની મીટીંગોની ગેરહાજરીનું કારણ મંજુર કરવા

દરખાસ્ત

(૫૨) મ્યુ. કાઉન્સીલરશ્રી હાજી અસરારબેગ એસ. મીરજાએ મ્યુ. કાઉન્સીલરશ્રી શહેજાદખાન પઠાણના ટેકા સાથે દરખાસ્ત મુકી કે :-
મક્તમપુર વોર્ડમાં નવી ઓવરહેડ પાણીની નંગ ૨ ટાંકી બનાવવા અને નર્મદાનું પાણી પહોંચાડવા બાકી રહેલ પીવાના પાણીની પાઇપ લાઈનો નાખવાં

સરદાર પટેલ ભવન, મ્યુનિસિપલ કોર્પોરેશન, અમદાવાદ તા.: ૧૫-૦૬-૨૦૨૨

મેયરશ્રીના હુકમથી,
સહી : અરૂણ આર. પંડયા
મ્યુનિસિપલ સેક્રેટરી

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95